Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 59
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 07 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 महाराष्ट्र में धर्मांतरण विरोधी विधेयक के मसौदे .... 4 खेल सिखाते हैं जिंदगी के बड़े सबक... 7 'भारत खुशकिस्मत है कि बुमराह जैसा ...

संक्षिप्त न्यूज

'कोई देश खुद को नहीं कह सकता सर्वोच्च ताकत', वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

नई दिल्ली। वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज कोई भी देश पूरी तरह से हावी नहीं है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि 20वीं सदी के मध्य से एक निश्चित विश्व व्यवस्था बनाए रखने की वैश्विक अपेक्षा 'अवास्तविक' थी, और अब शक्ति विभिन्न आयामों में काफी हद तक फैल गई है।

वैश्विक शासन का बदलता स्वरूप

रायसीना डायलॉग 2026 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने पिछले सात दशकों में वैश्विक शासन के विकसित होते स्वरूप पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, 'जब हम इन 70 वर्षों को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो मुझे लगता है कि 1945 या 1989 को हमेशा के लिए स्थिर करने की उम्मीद एक बहुत ही अवास्तविक उम्मीद थी।

दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 में जयशंकर ने कहा कि 1945 या 1989 के बाद बने विश्व व्यवस्था को हमेशा के लिए बनाए रखने की उम्मीद करना अवास्तविक था। उन्होंने कहा कि पिछले 70 साल को अगर इतिहास के नजरिए से देखें तो यह भारत के हजारों साल के इतिहास का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, इसलिए दुनिया का बदलना स्वाभाविक है।

वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें

जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें काम कर रही हैं तकनीक (टेक्नोलॉजी) और जनसंख्या का स्वरूप (डेमोग्राफी)। आने वाले दशक में यही दोनों कारक दुनिया की दिशा तय करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज वैश्विक राजनीति का विश्लेषण अक्सर अमेरिका के इर्द-गिर्द किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दुनिया धीरे-धीरे कई ताकतों में बंट रही है।

वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत 7.69 लाख करोड़ रुपये का बजट राज्य के समग्र, समावेशी और दीर्घकालिक विकास को गति देने के उद्देश्य से तैयार

बजट में किसानों को बड़ी राहत - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

एक हजार से अधिक जनसंख्या वाले गांवों को कंक्रीट सड़कों से जोड़ा जाएगा

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत 7.69 लाख करोड़ रुपये का बजट राज्य के समग्र, समावेशी और दीर्घकालिक विकास को गति देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह बजट 'विकसित महाराष्ट्र' के लक्ष्य पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रगतिशील विकास, स्थिरता, समावेशिता और सुशासन के चार स्तंभों पर आधारित यह बजट राज्य के आर्थिक, सामाजिक और आधारभूत ढांचे के विकास को नई दिशा देगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में राज्य का बजट प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार सहित मंत्रिमंडल के सदस्य और विधायक उपस्थित थे।

राज्य के समग्र और दीर्घकालिक विकास को गति

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर के स्तर तक पहुंचने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आधारभूत संरचना, उद्योग, कृषि, शिक्षा और डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है।राज्य के 75 गांवों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पायलट परियोजनाएं लागू की जाएंगी।

किसानों को राहत : कर्जमाफी की घोषणा

किसानों को राहत देने के लिए 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर शेतकरी कर्जमाफी योजना' की घोषणा की गई है। 30 सितंबर 2025 तक बकाया फसल ऋण वाले पात्र किसानों को 2 लाख रुपये तक की कर्जमाफी दी जाएगी। नियमित रूप से ऋण चुकाने वाले किसानों को 50 हजार रुपये का प्रोत्साहन अनुदान दिया जाएगा। किसानों को स्थायी रूप से कर्जमुक्त करने के लिए समिति की सिफारिशों के अनुसार कदम उठाए जाएंगे। कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने के लिए 10 से 15 फसलों की एकीकृत मूल्य श्रृंखला विकसित की जाएगी। जनवरी 2026 तक 1 करोड़ 31 लाख किसान पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं। अब इसमें आदिवासी वन भूमि धारकों को भी शामिल किया जाएगा। प्राकृतिक खेती अभियान के अंतर्गत 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाया जाएगा।

2026-27 : सामाजिक समानता और समरसता वर्ष

वर्ष 2026-27 को 'सामाजिक समानता और समरसता वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा। महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सतारा जिले के कटगुण में महात्मा फुले का भव्य स्मारक बनाया जाएगा। नायगांव में सावित्रीबाई फुले स्मारक और महिला प्रशिक्षण केंद्र विकसित किया जाएगा।डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के चवदार तालाब सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के अवसर पर महाड में विकास योजना तैयार की जाएगी। संत गाडगे बाबा की 150वीं जयंती पर संत गाडगे बाबा तीर्थ सर्किट विकसित किया जाएगा।

सांस्कृतिक और धार्मिक विकास

देहू में जगद्गुरु तुकाराम महाराज के घर और जन्मस्थल का संरक्षण किया जाएगा।

रामटेक में राज्य की तीसरी कला नगरी विकसित की जाएगी।

महाकवि कालिदास के जीवन पर फिल्म बनाई जाएगी।

पंढरपुर मंदिर विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्य किए जाएंगे।

ज्योतिर्लिंग और महानुभाव पंथ के धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निधि दी जाएगी।

पशुपालन और मत्स्य व्यवसाय को प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ग्रामीण पशुधन उद्यमी योजना शुरू की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के अवसर पर गोपालक, कुक्कुटपालक और बकरीपालकों के लिए विशेष कार्यक्रम।

मुख्यमंत्री मत्स्य योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 1240 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इससे 20,594 मछुआरों को लाभ मिलेगा।

कृषि और ऊर्जा क्षेत्र

मुख्यमंत्री बलिराजा मुफ्त बिजली योजना जारी रहेगी।

इसके लिए इस वर्ष लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री सौर कृषि चैनल योजना के तहत 10 हजार मेगावाट ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य है।

नदी जोड़ परियोजनाओं को प्राथमिकता

राज्य में जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए प्रमुख नदी जोड़ परियोजनाओं पर जोर दिया गया है।

वैनगंगा-नलगंगा नदी जोड़ परियोजना : 94,968 करोड़ रुपये

दमनगंगा-वैतरणा-गोदावरी परियोजना : 13,497 करोड़ रुपये

इसके अलावा कोल्हापुर और सांगली जिलों में बाढ़ नियंत्रण के लिए 2,240 करोड़ रुपये की परियोजना विश्व बैंक की सहायता से लागू की जाएगी।

महिला सशक्तिकरण के लिए पहल

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना जारी रहेगी।

महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिए 13 जिलों में 'उमेद मॉल' स्थापित किए जाएंगे।

राज्य में अब तक 3.7 लाख 'लखपति दीदी' तैयार की जा चुकी हैं और आगे 25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

शिक्षा और स्टार्टअप नीति

नवी मुंबई में विश्वस्तरीय शिक्षा के लिए 'एजुकेशन सिटी' विकसित की जाएगी, जहां अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय स्थापित होंगे।

इस वर्ष 6 विश्वविद्यालय शुरू होने की संभावना है।

राज्य में आगे 8 से 10 शिक्षा नगर विकसित किए जाएंगे।

स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अगले 5 वर्षों में 1.25 लाख उद्यमी और 50 हजार स्टार्टअप स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री विज्ञान यात्रा योजना के तहत छात्रों को इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष संस्थाओं का दौरा करने का अवसर दिया जाएगा।

'महिमा' संस्था की स्थापना

विदेशों में रोजगार के लिए भाषा प्रशिक्षण, कौशल प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने हेतु 'महाराष्ट्र एजेंसी फॉर होलिस्टिक इंटरनेशनल मोबिलिटी एंड एडवांसमेंट (महिमा)' की स्थापना की जाएगी।

इसके अंतर्गत 36 नवदिशा केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

खेल विकास

राज्य में 12 खेलों के लिए 8 उच्च प्रदर्शन केंद्र पहले ही शुरू किए जा चुके हैं और अब 4 नए केंद्र शुरू किए जाएंगे।

विभागीय स्तर पर 25 खेल उत्कृष्टता केंद्र

जिला स्तर पर 96 खेल गुणवत्ता विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

कर्नाटक में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध की घोषणा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य के बजट भाषण में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इस निर्णय का उद्देश्य युवाओं में मोबाइल फोन की बढ़ती लत को रोकना और उन्हें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े खतरों से बचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम बच्चों को व्यसनकारी एल्गोरिदम, साइबर उत्पीड़न, मानसिक तनाव और हानिकारक सामग्री के प्रभाव से बचाने के लिए उठाया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से किशोरों में चिंता, अवसाद और नींद से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। सिद्धारमैया ने अपने 17वें बजट को प्रस्तुत करते हुए बताया कि राज्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा नवाचार केंद्र स्थापित किया जाएगा। भारतीय विज्ञान संस्थान के सहयोग से, इसरो और केओनिक्स के साथ मिलकर बेंगलुरु रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार क्षेत्र विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों में मोबाइल के बढ़ते उपयोग के नकारात्मक प्रभावों को रोकने के लिए यह प्रतिबंध लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में केंद्र सरकार की भी आलोचना की और कहा कि संघीय व्यवस्था की भावना के अनुरूप राज्यों की मांगों को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और यह उन प्रमुख राज्यों में शामिल है जो केंद्र को सबसे अधिक कर राजस्व प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का कुल बजट व्यय 4,48,004 करोड़ रुपये अनुमानित है। इस बजट में प्रौद्योगिकी आधारित विकास, आधारभूत संरचना के विस्तार और पर्यावरणीय स्थिरता पर विशेष ध्यान दिया गया है।

वोटर लिस्ट विवाद पर ममता बनर्जी का धरना, भाजपा और चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में मतदाता सूची से लाखों नाम हटाए जाने के विरोध में शुक्रवार को कोलकाता में धरना शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर असली मतदाताओं को मतदान से वंचित करने की साजिश कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू करते हुए कहा कि वह बंगाली मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की कथित साजिश को बेनकाब करेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं भाजपा और चुनाव आयोग की इस साजिश को उजागर करूंगी।'

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि संशोधित मतदाता सूची में कई जीवित मतदाताओं को मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को चुनाव आयोग ने मृत घोषित किया है, उन्हें वह धरना स्थल पर पेश करेंगी।

यह विरोध प्रदर्शन दोपहर लगभग 2 बजकर 15 मिनट पर शुरू हुआ। इसकी घोषणा पहले ही तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कर दी थी। उन्होंने भी चुनाव आयोग पर राजनीतिक उद्देश्य से मतदाता सूची में बदलाव करने का आरोप लगाया था।

कैसे शुरू हुआ विवाद

यह विवाद चुनाव आयोग द्वारा नई मतदाता सूची जारी किए जाने के बाद शुरू हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष नवंबर से विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) शुरू होने के बाद से लगभग 63.66 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

इस वजह से राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर लगभग 7.04 करोड़ रह गई है। इसके अलावा 60.06 लाख से अधिक मतदाताओं को जांच के दायरे में रखा गया है, जिनकी पात्रता की कानूनी प्रक्रिया के बाद पुष्टि की जाएगी।

इस मुद्दे को लेकर पश्चिम बंगाल की राजनीति में टकराव बढ़ गया है और आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह विवाद और तेज होने की संभावना है।

शिक्षा प्रणाली पर आरएसएस का कब्जा, भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता में पीछे - राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर वैचारिक हमला हो रहा है और एक विशेष विचारधारा थोपी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में मजबूत स्थिति हासिल नहीं कर पाया है।

राहुल गांधी ने यह बातें केरल के मारियन कॉलेज कुट्टिक्कानम (स्वायत्त) में छात्रों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली को किसी एक संगठन या विचारधारा तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में कई कुलपतियों की नियुक्ति इस आधार पर की जा रही है कि वे आरएसएस से जुड़े हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली को विभाजनकारी दृष्टिकोण से दूर रखा जाना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में मुख्य रूप से दो बड़े देश हैं - संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन। उनके अनुसार भारत अभी रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में इन देशों की तुलना में प्रमुख खिलाड़ी नहीं बन पाया है।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी देश को कृत्रिम बुद्धिमत्ता में मजबूत बनना है तो उसे अपने डेटा पर नियंत्रण रखना होगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हाल ही में हुए भारत-अमेरिका समझौते के कारण भारत का डेटा विदेशों में जाने की आशंका है, जिससे देश की तकनीकी क्षमता प्रभावित हो सकती है।

राहुल गांधी ने यह चिंता भी जताई कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग के कारण सेवा और सॉफ्टवेयर क्षेत्र में रोजगार पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि डेटा, विनिर्माण और गतिशीलता के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहा है और भारत को इसके लिए तैयार रहना होगा।

उन्होंने एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में आयोजित एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन में एक चीनी रोबोट को भारतीय रोबोट के रूप में प्रस्तुत किया गया था, जिससे विवाद उत्पन्न हुआ था।

राहुल गांधी ने हाल ही में हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष ने इस समझौते को किसानों के हितों के खिलाफ बताया है।

एन चंद्रबाबू नायडू ने दिए बड़े संकेत

आंध्र प्रदेश में तीसरा बच्चा पैदा करने पर मिलेंगे 25,000

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू में राज्य की संख्या बढ़ाने के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि राज्य में जो भी माता-पिता दूसरे बच्चा पैदा करेंगे, सरकार उन्हें 25000 रुपये का इंसेंटिव (आर्थिक मदद) देने पर विचार कर रही है। एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के सीएम की बागडोर संभालने के बाद कहा था कि दक्षिण की आबादी घट रही है। ऐसे में हमें ज्यादा बच्चों के बारे में सोचना चाहिए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार गिरती जन्म दर को बढ़ावा देने के लिए यह बयान दिया था। अब नायडू ने कहा कि सरकार दूसरा बच्चा करने वाले जोड़ों को आर्थिक मदद देने की दिशा में सोच रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव मिला है। हम निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले 90 दिनों में 13 साल से कम उम्र के बच्चों की इस तक कोई पहुंच न हो। इस बात पर चर्चा चल रही है कि यह आयु सीमा 13 साल होनी चाहिए या 16 साल। अगर सभी सहमत होते हैं, तो हम फैसला लेंगे।

इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य सरकार एक नई जनसंख्या प्रबंधन नीति पर विचार कर रही है जिसमें परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु वित्तीय प्रोत्साहन शामिल हैं। उन्होंने घोषणा की कि दूसरे या तीसरे बच्चे के माता-पिता को प्रसव के समय 25,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

जेल से छूटे, फांसी घर विवाद में लटके केजरीवाल, भाजपा ने केजरीवाल को 'अराजक' करार दिया

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल और उनके साथी कथित शराब घोटाले से तो बरी हो गये हैं, लेकिन फांसी घर विवाद में फंसते दिखाई दे रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने फांसी घर विवाद में दिल्ली विधानसभा की कमेटी के सामने पेश होने के मामले की सार्वजनिक सुनवाई की मांग की, लेकिन भाजपा ने कहा है कि विधानसभा की विशेष कमेटी की कार्रवाई को सार्वजनिक रूप से प्रसारित नहीं किया जा सकता। उसने केजरीवाल की मांग को अव्यावहारिक और 'अराजक' राजनीति का उदाहरण करार दिया है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते हुए यह दावा किया था कि पुराने सचिवालय का एक कक्ष अंग्रेजों के शासनकाल में फांसी घर हुआ करता था। आप शासन में इसको लेकर कई बार बड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। लेकिन भाजपा ने तब इसे अरविंद केजरीवाल का 'राजनीतिक नाटक' करार दिया था। अब सत्ता में आने के बाद पार्टी ने विभिन्न जांच के सहारे दावा किया है कि पिछली सरकार का दावा पूरी तरह तथ्यों से परे था। इसी मामले में दिल्ली विधानसभा की

विशेष कमेटी के सामने उनकी पेशी की मांग की गई थी।

केजरीवाल ने एक बार फिर से दावा किया कि उक्त घर फांसी घर ही हुआ करता था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक कारणों से इस तथ्य को इनकार कर रही है और इसे टिफिन घर करार दे रही है। उन्होंने समिति के सामने अपनी पेशी को सार्वजनिक करने की मांग भी की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दिल्ली में कोई काम नहीं कर रही है।

11 साल सत्ता में रहने के बाद भी गंभीर राजनीति नहीं सीख पाए केजरीवाल-भाजपा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने अपनी राजनीति की शुरुआत से ही झूठ और बयानबाजी की राजनीति की थी, वे आज भी वही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विशेष समिति के सामने पेशी के सार्वजनिक प्रसारण की मांग करना उनके इसी व्यवहार को दिखाता है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को समझना चाहिए कि विशेषाधिकार समिति की सुनवाई को सार्वजनिक रूप से प्रसारित नहीं किया जा सकता।

महाराष्ट्र के रत्नागिरी में केमिकल कारखाने में भीषण विस्फोट, 11 लोग घायल

दिव्यांश

मुंबई। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में शुक्रवार को एक रासायन कारखाने में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 11 लोग घायल हो गए। यह घटना मुंबई से करीब 250 किलोमीटर दूर लोटे परशुराम एमआईडीसी (रासायनिक क्षेत्र) स्थित डॉ. खान इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स (डीकेआईसी) इकाई में हुई। पुलिस ने बताया कि घायलों में ज्यादातर मजदूर हैं और उन्हें तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के बाद कारखाने में अफरा-तफरी मच गई। तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया और घायलों को नजदीकी चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। डॉ. खान इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स (डीकेआईसी) विभिन्न विशेष सिलिका-आधारित रसायनों और रासायनिक मध्यवर्ती उत्पादों का एक प्रमुख निर्माता है। यह कंपनी इस्पात, वस्त्र, पेंट और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कई उद्योगों को अपनी सेवाएं प्रदान करती है। यह इकाई लोटे परशुराम एमआईडीसी के रासायनिक क्षेत्र में स्थित है, जो इस तरह के उद्योगों के लिए जाना जाता है। घटना के बाद क्षेत्र में औद्योगिक सुरक्षा उपायों की समीक्षा की जा रही है। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के इलाकों में भी इसकी आवाज सुनी गई। पुलिस ने यह भी बताया कि मामले में आगे की जानकारी जांच पूरी होने के बाद ही दी जाएगी।

घायलों के बारे में क्या है अपडेट?

विस्फोट के तुरंत बाद, आसपास के लोगों और कारखाने के कर्मचारियों ने घायलों की मदद की। सभी 11 घायलों को, जिनमें से अधिकांश मजदूर थे, स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी चोटों की गंभीरता के बारे में विस्तृत जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है, लेकिन सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मिलकर बचाव और राहत कार्यों का समन्वय किया।

विस्फोट के कारणों के बारे में क्या पता चला?

पुलिस ने बताया कि विस्फोट के पीछे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है। फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटा रही है ताकि विस्फोट के मूल कारण का पता चल सके। डॉ. खान इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स एक स्थापित रासायनिक इकाई है, और ऐसे हादसों से औद्योगिक सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित प्रतिभा प्रतियोगिताओं को महिलाओं का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की अंतर्निहित प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 4 से 6 मार्च तक नवी मुंबई के वाशी, सेक्टर-3 स्थित महात्मा फुले स्मृति भवन में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में महिला समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इन प्रतियोगिताओं में समूह गायन प्रतियोगिता में 10 महिला समूहों ने भाग लिया, जबकि समूह नाटक प्रतियोगिता में 3 महिला नाट्य समूहों ने सहभागिता की। समूह नृत्य प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई। इसमें 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग की प्रतियोगिता में 6 नृत्य समूहों ने तथा 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की प्रतियोगिता में 9 नृत्य समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महिला भजन प्रतियोगिता में 10 महिला भजन मंडलों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महिलाओं में अत्यंत लोकप्रिय मंगलागौर प्रतियोगिता में 5 महिला समूहों ने भाग लेकर इस पहल को सफल बनाया। महिला सुरक्षा, पर्यावरण और शिक्षा जैसे तीन विषयों पर आयोजित लघु चलचित्र प्रतियोगिता में 4 समूहों ने भाग लिया। सभी

प्रतियोगिताओं में महिला समूहों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई।

इन प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह रविवार, 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में विष्णुदास भावे नाट्यगृह में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर महानगरपालिका क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही महिलाओं, युवतियों, महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मंडलों और महिला संगठनों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों तथा साहित्य की बिक्री के लिए निःशुल्क स्टॉल भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

नवी मुंबई महानगरपालिका ने अपील की है कि 8 मार्च 2026 को सुबह 10 बजे से विष्णुदास भावे नाट्यगृह में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष कार्यक्रम में महानगरपालिका क्षेत्र की अधिक से अधिक महिलाएं भाग लें।

मीरा भायंदर मनपा स्टैंडिंग कमेटी और महिला बाल कल्याण कमेटी के अध्यक्ष का चुनाव संपन्न

हंसमुख गहलोत स्टैंडिंग कमेठी के अध्यक्ष और अनीता पाटिल महिला बाल कल्याण की अध्यक्षा बनायी गयी

मंत्र भारत। भाईदंर

बुधवार, 04 मार्च, 2026 को मीरा भयंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेडक्वार्टर में महिला बाल कल्याण वेलफेयर की स्टैंडिंग कमेटी और सब्जेक्ट कमेटियों के पदाधिकारियों का चुनाव नियमों के अनुसार हुआ। इस मीटिंग में यह घोषणा की गई कि हसमुख गहलोत को बहुमत से स्टैंडिंग कमेटी का चेयरमैन चुना गया है। यह भी घोषणा की गई कि अनीता जयवंत पाटिल को विमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर कमेटी का चेयरमैन और हेमा राजेश बेलानी को बिना किसी विरोध के डिप्टी चेयरमैन चुना गया है। चुनाव की प्राक्रिया महाराष्ट्र म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट के नियमों के अनुसार की गई।

चुनाव की घोषणा पीठासीन अधिकारी और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर (मुंबई सबअर्बन) सौरभ कटियार के ज़रिए की गई। इस मौके पर म्युनिसिपल कमिश्नर राधाबिनोद ए. शर्मा के साथ-साथ म्युनिसिपल सेक्रेटरी दिनेश कैलास कंगुडे और संबंधित सदस्य हॉल में मौजूद थे। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कामकाज में, स्टैंडिंग कमेटी मुख्य कमेटी है जो फाइनेंशियल और एडमिनिस्ट्रेटिव मामलों पर अहम फैसले लेती है और शहर के डेवलपमेंट के काम को तेज करने के लिए जिम्मेदार है। साथ ही, महिला और बाल कल्याण कमेटी के जरिए महिला एम्पावरमेंट से जुड़ी कई पहल, बाल कल्याण, न्यूट्रिशन, हेल्थ और सोशल डेवलपमेंट से जुड़ी कई योजनाएं लागू की जाती हैं। उम्मीद जताई गई कि नए चुने गए पदाधिकारियों के नेतृत्व में संबंधित कमेटियों का काम और भी असरदार और डायनामिक होगा।

महापौर डिंपल मेहता की अध्यक्षता में प्री-मानसून ड्रेन क्लीनिंग प्लानिंग पर रिव्यू मीटिंग

मंत्र भारत। भाईदंर

आने वाले मानसून को देखते हुए, मीरा भयंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में, शुक्रवार, 06 मार्च, 2026 को प्री-मानसून ड्रेन क्लीनिंग प्लानिंग पर एक रिव्यू मीटिंग रखी गई, जिसका मकसद शहर में ड्रेन क्लीनिंग का काम समय पर और असरदार तरीके से पूरा करना और मानसून के दौरान लोगों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाना था। यह मीटिंग म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर मे मेयर डिंपल मेहता की अध्यक्षता में हुई।

मीरा भयंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया में कुल 208 बड़े और छोटे नाले हैं और मानसून से पहले इनकी रेगुलर और असरदार तरीके से सफाई करना बहुत ज़रूरी है। इस बारे में, मेयर डिंपल मेहता ने शहर के सभी नालों की मौजूदा स्थिति, ड्रेन क्लीनिंग प्लानिंग, संभावित रुकावटों और मानसून के दौरान पानी जमा होने की जगहों का डिटेल में रिव्यू किया। इस बैठक में शहर के प्रमुख नालों, उप नालों एवं जल निकास व्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से बचने के लिए नाला सफाई कार्य योजनाबद्ध एवं समय पर पूरा करें। बैठक के दौरान जाफरी खाड़ी क्षेत्र में गाद की समस्या का विशेष जायजा लिया गया। यहां हर साल नावों एवं पोकलेन मशीनों की मदद से गाद निकालने का काम किया जाता है। मा. महापौर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से करने के लिए रेलवे प्रशासन आवश्यक सहयोग प्रदान करे। साथ ही, कुछ स्थानों पर जल निकासी के लिए बिछाई गई छोटी पाइपें अपर्याप्त होने के कारण, मा. महापौर ने उनकी जगह बड़ी क्षमता वाली पुलिया लगाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर आवश्यक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए, ताकि मानसून के दौरान जल निकासी सुचारू रहे। साथ ही,. मेयर ने रेलवे लाइन के किनारे नालों की सफाई, कंडलवन इलाके में ड्रेनेज सिस्टम और अलग-अलग अथॉरिटी के अधिकार क्षेत्र में आने वाले नालों की सफाई के लिए रेलवे डिपार्टमेंट, कंडलवन डिपार्टमेंट और श्रीजी के साथ मिलकर ज़रूरी काम तुरंत पूरा करने के निर्देश दिए। मेयर ने मानसून से पहले नालों की सफाई बहुत ज़रूरी काम है और शहर में पानी भरने की समस्या को रोकने के लिए सभी संबंधित डिपार्टमेंट को ज़िम्मेदारी और तालमेल से काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी साफ़ किया कि लोगों की सुरक्षा के लिए सभी ज़रूरी सावधानी बरतते हुए नालों की सफाई का काम समय पर पूरा किया जाना चाहिए। मीटिंग में उपस्थित महापौर ध्रुवकिशोर पाटिल, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन हसमुख गहलोत, एडिशनल कमिश्नर डॉ. संभाजी पनपट्टे, डिप्टी कमिश्नर (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) डॉ. सचिन बांगर, सिटी इंजीनियर दीपक खंबित, कॉर्पोरेटर दीप्ति भट्ट, रेलवे डिपार्टमेंट के अधिकारी, कंडलवन डिपार्टमेंट के अधिकारी, MMRDA के अधिकारी और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के संबंधित सैनिटेशन इंस्पेक्टर मौजूद थे। पर्सनल असिस्टेंट, मेयर हॉलमीरा भयंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन मौजूद रहे।

दहिसर में पत्रकार से बदसलूकी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

बिल्डर की दादागिरी पत्रकार ने कठोर कार्रवाई के लिए प्रशासन से की मांग

मंत्र भारत। मुंबई

दहिसर पूर्व एस.वी. रोड स्थित मानव कल्याण केंद्र हॉस्पिटल के पास निर्माणाधीन इमारत की पत्रे की बाउंड्री वॉल अचानक सड़क पर गिर गई। यह निर्माण कार्य एच रिशभराज बिल्डर द्वारा किया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही खबर कवर करने पहुंचे द ग्रेटर मुंबई संपादक व पत्रकार नवीन पांडे के साथ बिल्डर के गुंडों ने धक्का-मुक्की की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी।आरोप है कि पत्रकार का मोबाइल फोन छीनकर जमीन पर फेंक दिया गया, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया है। यह घटना 28 फरवरी को लगभग 1बजे दोपहर में हुई थी, लेकिन मामला इतना गंभीर होने के बावजूद भी दहिसर पुलिस ने इस मामले में 7 घंटे बाद बिल्डर के गुंडे के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि एच ऋषभराज बिल्डर की मनमानी और गुंडागर्दी के कारण क्षेत्र में पहले भी कई बार खतरे की स्थिति बनी है। इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश व्याप्त है क्षेत्र के नागरिकों का आरोप है कि बिल्डर ए ऋषभराज के इस निर्मानाधिन इमारत के कार्य की निष्पक्ष जांच कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कारवाई की जाये।इस मामले में पत्रकारों ने मुंबई मनपा आर उत्तर वार्ड के अधिकारियों से निर्माण स्थल पर लापरवाही से निर्माण कार्य करने वाले एच ऋषभराज बिल्डर एवं कांट्रेक्टर के विरुद्ध मामला दर्ज करवाकर कार्रवाई की मांग किया है।

आशिर्वाद फाउंडेशन द्वारा होली स्नेह सम्मेलन संपन्न

भाईंदर।

भाईंदर स्थित जैसल पार्क चौपाटी में आशिर्वाद फाउंडेशन द्वारा होली स्नेह सम्मेलन का आयोजन सौहार्दपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से 11 बजे तक संपन्न हुआ, जिसमें सामाजिक एकता, भाईचारे और आपसी प्रेम का सुंदर उदाहरण देखने को मिला।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गणेश पाण्डेय, हरेंद्र पाण्डेय, निलेश गुप्ता, सूरज दुबे, पंकज यादव, विकास कुमार, राज कुमार, रूपेश कुमार, नितिन माछी, अशोक कुमार सहित महाराष्ट्र राज्य के पुलिस कर्मी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आशिर्वाद फाउंडेशन की ओर से गणेश पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि होली एक ऐसा पर्व है जो समाज को एक धागे में पिरोता है। यह त्योहार सभी वर्गों और समुदायों के लोगों को जोड़ने का कार्य करता है तथा आपसी भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करता है।

वहीं फाउंडेशन के निलेश गुप्ता और हरेंद्र पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सामाजिक सौहार्द, समन्वय और प्रेम की भावना को समाज में स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और लोगों के बीच आपसी मेलजोल बढ़ता है।

ज्ञात हो कि बीते कुछ महीनों में आशिर्वाद फाउंडेशन ने सामाजिक परिप्रेक्ष्य में लगातार सराहनीय कार्य किए हैं। फाउंडेशन द्वारा उत्तन क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहीं मीरा-भायंदर महानगरपालिका के लिए पुस्तक दान (बुक डोनेशन) अभियान भी चलाया गया। इसके अलावा जैसल पार्क चौपाटी एवं दादर समुद्री तट पर स्वच्छता अभियान (बीच क्लीनिंग) के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। इन सभी कार्यों में आशिर्वाद फाउंडेशन की भूमिका अत्यंत प्रशंसनीय रही है।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता, सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

बीकानेर मंडल के चूरू-सादुलपुर खंड में ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित

रतलाम। उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर मंडल के चूरू - सादुलपुर खंड में दुधवाखारा-हड़याला-डोकवा-सादुलपुर स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण एवं ऑटोमेटिक सिगनलिंग सिस्टम का कार्य किये जाने के कारण रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रभावित एवं परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

14 एवं 21 अप्रैल 2026 को रामेश्वरम से चलने वाली गाड़ी संख्या 20497 रामेश्वरम-फिरोजपुर एक्सप्रेस वाया रिंगस-रेवाड़ी-हिसार-बठिण्डा चलेगी। 21 एवं 28 अप्रैल 2026 को हिसार से चलने वाली गाड़ी संख्या 17019 हिसार हैदराबाद एक्सप्रेस वाया हिसार-रेवाड़ी-रिंगस चलेगी।

25 अप्रैल 2026 को हैदराबाद से चलने वाली गाड़ी संख्या 17020 हैदराबाद हिसार एक्सप्रेस वाया रिंगस-रेवाड़ी-हिसार चलेगी। 19 एवं 26 अप्रैल 2026 को हिसार से चलने वाली गाड़ी संख्या 04725 हिसार खडकी स्पेशल वाया हिसार-रेवाड़ी-रिंगस चलेगी। 27 अप्रैल 2026 को खडकी से चलने वाली गाड़ी संख्या 04726 खडकी हिसार स्पेशल वाया रिंगस-रेवाड़ी-हिसार चलेगी। 23 अप्रैल 2026 को काकीनाडा से चलने वाली गाड़ी संख्या 07705 काकीनाडा हिसार स्पेशल वाया रिंगस-रेवाड़ी - हिसार चलेगी। 26 अप्रैल 2026 को हिसार से चलने वाली गाड़ी संख्या 07706 हिसार काकीनाडा स्पेशल रिंगस-रेवाड़ी-हिसार चलेगी। 26 अप्रैल 2026 को मुम्बई सेंट्रल से चलने वाली गाड़ी संख्या 12239 मुम्बई सेंट्रल-हिसार दुरंतो वाया लोहारू- रेवाड़ी-हिसार चलेगी। 28 मार्च 2026 को हिसार से चलने वाली गाड़ी संख्या 12240 हिसार-मुम्बई सेंट्रल दुरंतो वाया हिसार-रेवाड़ी-लोहारू चलेगी। 25 अप्रैल 2026 को हिसार से चलने वाली गाड़ी संख्या 04717 हिसार तिरूपति स्पेशल वाया हिसार-रेवाड़ी- रिंगस चलेगी।ट्रेनों के बारे में अद्यतन जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry .indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। इसके साथ ही रेलवन ऐप के माध्यम से ही ट्रेनों के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

रविवार को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे का माहिम एवं सांताक्रुज़ स्टेशनों के बीच रात्रिकालीन जम्बो ब्लॉक

रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा शनिवार/रविवार, 7/8 मार्च, 2026 की मध्यरात्रि को 01.00 बजे से 04.30 बजे तक माहिम एवं सांताक्रुज़ स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन स?लो लाइनों पर जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान डाउन स?लो लाइन की सभी ट्रेनें मुंबई सेंट्रल एवं सांताक्रुज़ स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर चलायी जायेंगी। प्लेटफॉर्म की अपर्याप्त लंबाई के कारण ये ट्रेनें लोअर परेल, माहिम एवं खार रोड स्टेशनों पर डबल हॉल्ट लेंगी तथा प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण महालक्ष्मी, प्रभादेवी एवं माटुंगा रोड स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी। ब्लॉक अवधि के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त भी रहेंगी। प्रभावित ट्रेनों की विस्तृत जानकारी उपनगरीय खंड के सभी स्टेशनों पर स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध रहेगी। अतः रविवार, 8 मार्च, 2026 को पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मण्डल

निविदा विज्ञापन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए डेप्यु. सीएमएम-साबरमती, पश्चिम रेलवे सामग्रीयों की आपूर्ति के निम्न निर्दिष्ट ई-निविदा आमंत्रित करते है।

क्रम सं.	निविदा सं.	सामग्री का विवरण	मात्रा	ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय	ईएमडी राशि
01	71265075	पंप (पार्ट सं. HY704X180L/EP4/A380BAR SUBSTITUTE HY704X180L/EL/A380 BAR) बनावट : PLASSER, REXOTH.	14 नंग	31 मार्च 2026 11:00 बजे	3,34,510/-
02	71265220	संपूर्ण लिफ्टींग युनिट + लिफ्टींग क्लेम्प्स (पार्ट सं. EB64.14.1000.72 SUB RE150.00.001) बनावट : Plasser	01 नंग	31 मार्च 2026 11:00 बजे	4,54,440/-
03	71256672	हाईड्रोलीक मोटर (PLASSER पार्ट सं. 62.05.2000.123) बनावट : Plasser, Rexroth.	14 नंग	31 मार्च 2026 11:00 बजे	4,46,980/-
04	71256643	कटर चेन ड्राईव पंप (पार्ट सं. 62.05.2000.111) बनावट : PLASSER, REXROTH.	10 नंग	31 मार्च 2026 11:00 बजे	2,58,700/-
05	71256313	पंप (पार्ट सं. 62-05-1000-483, उप पार्ट सं. A4VG250EP4D1/32LNF02F001) बनावट : PLASSER, REXROTH.	19 नंग	31 मार्च 2026 11:00 बजे	9,41,640/-

खरीद नियंत्रण एवं विस्तृत निविदा शर्तों समाविष्ट करती विस्तृत निविदा सूचना के लिए कृपया वेबसाईट www.ireps.gov.in की मुलाकात लें, मैन्युअल ओफर पर विचार नहीं किया जायेगा। ADI-300

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly

महाराष्ट्र में धर्मांतरण विरोधी विधेयक के मसौदे को मंजूरी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने 'धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2026' के तहत धर्मांतरण विरोधी विधेयक के मसौदे को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को धर्म परिवर्तन करने से पहले सक्षम प्राधिकारी को 60 दिन पहले सूचना देना और अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

अधिकारियों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन करना चाहता है तो उसे निर्धारित प्राधिकारी को लिखित सूचना देनी होगी। अनुमति मिलने के बाद ही धर्म परिवर्तन किया जा सकेगा। इसके साथ ही धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी होने के 25 दिनों के भीतर उसका पंजीकरण कराना भी अनिवार्य होगा, अन्यथा उसे अमान्य माना जाएगा।

विधेयक के प्रावधानों के अनुसार यदि किसी व्यक्ति के धर्म परिवर्तन को लेकर उसके रक्त संबंधी यह शिकायत करते

हैं कि यह जबरन, धोखे या लालच देकर कराया गया है, तो पुलिस इस मामले में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर सकेगी।

प्रस्तावित कानून में कहा गया है कि धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार किसी को भी बलपूर्वक, धोखाधड़ी या प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने का अधिकार नहीं देता, बल्कि ऐसे अवैध धर्मांतरण से लोगों की रक्षा करना इसका उद्देश्य है।

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और एक राजनीतिक दल के नेता नितेश राणे ने कहा कि मंत्रिमंडल ने एक सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान यह वादा किया गया था कि सत्ता में आने पर राज्य में धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जाएगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार को इस निर्णय के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि यह विधेयक प्रस्तावित धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2026 के अंतर्गत मंजूर किया गया है।

परिवहनकर्ताओं की मांगों पर सकारात्मक रुख- परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

सरकार के आश्वासन के बाद हड़ताल वापस

मुंबई।राज्य में विभिन्न मांगों को लेकर परिवहन संघों द्वारा किए गए चक्काजाम आंदोलन को सरकार ने गंभीरता से लिया है और उनकी न्यायोचित मांगों पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई की जाएगी। सरकार के सकारात्मक रुख के बाद परिवहन संघों ने हड़ताल वापस ले ली है, ऐसी जानकारी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विधानसभा में वक्तव्य के माध्यम से दी।

मंत्री सरनाईक ने बताया कि राज्य के परिवहन संगठनों ने 5 मार्च से हड़ताल की घोषणा की थी। परिवहन संगठनों ने ई-चालान प्रणाली में त्रुटियां, मोबाइल फोन से फोटो लेकर किए गए चालानों को रद्द करना, अपर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर दर्ज दंडात्मक कार्रवाई को रद्द करना, दंड राशि भरने के बाद भी पोर्टल पर लंबित चालानों का निपटारा करना, एक ही दिन में दर्ज किए गए एक से अधिक अपराधों को रद्द करना, गति नियंत्रण से संबंधित चालानों पर पुनर्विचार करना तथा परिवहनकर्ताओं के लिए मूलभूत और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना जैसी प्रमुख मांगों को लेकर यह हड़ताल बुलाई थी।

मंत्री सरनाईक ने बताया कि 2 मार्च को परिवहन संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी मांगों पर चर्चा की गई। साथ ही परिवहन आयुक्त तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (परिवहन) को तुरंत बैठक आयोजित कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद 26 जून को संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक और बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक के बाद माल परिवहनकर्ताओं, बस मालिकों, स्कूल बस संगठनों तथा अन्य परिवहनकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए 1 और 8 जुलाई को सरकारी निर्णय के माध्यम से परिवहन आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया। इस समिति में परिवहन संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया।

इस समिति ने ई-चालान और दंड प्रबंधन, बुद्धिमान यातायात प्रबंधन प्रणाली में सुधार, पार्किंग व्यवस्था, शहरी परिवहन प्रणाली, स्कूल बस सुरक्षा, रियायतें तथा वाहन अनुज्ञापत्र जैसे मुद्दों के आधार पर 17 दिसंबर को सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

परिवहनकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए पारदर्शी, वैधानिक और निष्पक्ष तरीके से उपाय किए जाएंगे तथा शिकायत निवारण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। साथ ही परिवहन क्षेत्र के आधुनिकीकरण, आधारभूत संरचना के विकास और परिवहनकर्ताओं के कल्याण के लिए ठोस कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। नीति निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए परिवहन संगठनों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखा जाएगा, ऐसा भी मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया।

स्कूल यातायात नियमों की जाँच के लिए राज्यभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा- स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे

मुंबई। राज्य में स्कूल विद्यार्थियों के परिवहन के लिए सरकार की स्पष्ट नीति है। स्कूल स्तर पर परिवहन समिति तथा जिला स्तर पर जिला बस सुरक्षा समिति का गठन किया गया है। साथ ही स्कूल यातायात नियमों की जाँच के लिए राज्यभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा, ऐसी जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने दी।

विधायक रईस शेख ने ठाणे जिले के अंबरनाथ में एक निजी स्कूल वैन से दो विद्यार्थियों के गिरकर घायल होने की घटना के संबंध में सदन में प्रश्न उठाया। इस चर्चा में सदस्य अभिमन्यु पवार, विठ्ठल लांघे, नाना पटोले तथा संजय मेश्राम ने भी भाग लिया।

स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने बताया कि 7 जुलाई 2025 को अंबरनाथ के एक निजी अंग्रेजी स्कूल की वैन में यात्रा करते समय दो विद्यार्थी गिरकर घायल हो गए थे। यह वाहन संबंधित विद्यार्थियों के अभिभावकों द्वारा निजी रूप से किराए पर लिया गया था। घटना के दिन पुलिस ने मामला दर्ज किया और अगले दिन क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा संबंधित वाहन के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

सरकार ने स्कूलों के लिए विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु चालक सत्यापन, बसों में स्थान निर्धारण प्रणाली, निगरानी चित्र यंत्र, महिला परिचारिका की नियुक्ति, परिवहन कर्मचारियों का प्रशिक्षण तथा यह सत्यापन कि चालक ने मदिरा या नशीले पदार्थों का सेवन नहीं किया है, जैसी व्यवस्थाएँ अनिवार्य की हैं। साथ ही स्कूल यातायात नियमों के कड़ाई से पालन के लिए शिक्षा विभाग, पुलिस प्रशासन और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के सहयोग से राज्यभर में विशेष जाँच अभियान चलाया जाएगा। मंत्री भुसे ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विद्यार्थियों के परिवहन के लिए वाहनों को अलग अनुज्ञापत्र आवश्यक - अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर

विद्यार्थियों के परिवहन के लिए वाहनों को अलग अनुज्ञापत्र दिया जाना चाहिए। शिक्षा और परिवहन विभाग संयुक्त रूप से यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थियों को ले जाने वाली रिक्शा या बस जैसे वाहनों को आवश्यक शर्तें पूरी करने के बाद ही अनुज्ञापत्र दिया जाए, जिनमें निगरानी चित्र यंत्र और स्थान निर्धारण प्रणाली जैसी सुविधाएँ शामिल हों। यदि बिना अनुज्ञापत्र के विद्यार्थियों को ले जाने वाले वाहन पाए जाते हैं तो उन्हें जब्त करने की कार्रवाई की जाए, ऐसा निर्देश विधानसभा अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर ने विधानसभा में दिया।

आम और काजू फसलों को हुए नुकसान पर चर्चा कर समाधान के लिए बैठक आयोजित की जाएगी- मंत्री भरत गोगावले

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आम की फसल आने के बाद हुई बारिश के कारण बड़ी संख्या में आम के फल गिर गए, जिससे कोंकण क्षेत्र के किसानों को नुकसान हुआ है। इस पृष्ठभूमि में आम और काजू फसलों को हुए नुकसान के संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री, कोंकण के विधायक तथा संबंधित मंत्रियों की बैठक सत्र समाप्त होने से पहले आयोजित की जाएगी। इस बैठक में किसानों को मुआवजा कैसे दिया जाए, इस पर ठोस निर्णय लिया जाएगा, ऐसा मंत्री भरत गोगावले ने कहा।

सदस्य दीपक केसरकर ने असमय वर्षा के कारण आम और काजू बागानों को हुए नुकसान के संबंध में प्रस्ताव के माध्यम से सुझाव रखा था। मंत्री गोगावले ने उसका उत्तर दिया। इस चर्चा में सदस्य शेखर निकम, सुनील प्रभु तथा प्रकाश सुर्वे ने भाग लिया।

मंत्री गोगावले ने बताया कि वर्षा, ठंड और अचानक मौसम परिवर्तन के कारण कोंकण क्षेत्र में आम और काजू की फसल को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। प्रारंभिक सर्वेक्षण में यह सामने आया है कि लगभग 80 से 90 प्रतिशत आम के मंजरों को नुकसान पहुंचा है। दिसंबर-जनवरी में आए आम के मंजर अचानक मौसम परिवर्तन, वर्षा तथा पेड़ों पर लगने वाले रोगों के कारण प्रभावित हुए। कृषि विश्वविद्यालय और कृषि विभाग ने संयुक्त रूप से सर्वेक्षण कर सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत की है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार आम के मंजरों को काफी नुकसान हुआ है।

यह भी देखा गया है कि मौसम परिवर्तन का प्रभाव काजू की फसल पर भी पड़ा है और कृषि विश्वविद्यालय तथा कृषि विभाग के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर पर विस्तृत सर्वेक्षण जारी है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष कोंकण क्षेत्र में आम की फसल के लिए लगभग 224 करोड़ रुपये का बीमा कवच दिया गया था, जिसमें से 84 करोड़ रुपये सिंधुदुर्ग जिले के लिए थे। इस वर्ष आम की फसल के लिए 604 करोड़ रुपये का बीमा कवच दिया गया है, जिसमें से 233 करोड़ रुपये सिंधुदुर्ग जिले के लिए हैं। पिछले वर्ष काजू की फसल के लिए 16 करोड़ रुपये का बीमा कवच दिया गया था, जिसमें से 8 करोड़ रुपये सिंधुदुर्ग जिले के लिए थे। वर्तमान वर्ष में काजू की फसल के लिए कुल 94 करोड़ रुपये का बीमा कवच दिया गया है, जिसमें से 49 करोड़ रुपये सिंधुदुर्ग जिले के लिए हैं।

मंत्री गोगावले ने यह भी बताया कि फरवरी से दिसंबर 2025 के बीच प्राकृतिक आपदाओं के कारण कोंकण क्षेत्र के किसानों को 106 करोड़ रुपये की सहायता वितरित की गई।

आम और काजू की फसल में कीट तथा रोग नियंत्रण के लिए किसान कार्यशालाएं और वेब संगोष्ठियां आयोजित की गई हैं और उनका क्रियान्वयन किसानों के स्तर पर किया जा रहा है। साथ ही अनुप्रयोग के माध्यम से आम और काजू फसलों के खेतों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। कार्यदल के माध्यम से आठ गांवों का चयन कर उन स्थानों पर आम की फसल संरक्षण के प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं।

फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र देने वाले ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाएगा- जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन

मुंबई, दिनांक 6 : बेंबला सिंचाई परियोजना में नहर के काम को प्राप्त करने के लिए फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने वाले ठेकेदार सुमित बजोरिया, सतीश भोयर तथा अभय कुमार को काली सूची में डाला जाएगा, ऐसी जानकारी जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान दी। यह प्रश्न विधायक हरीश पिंपळे ने उठाया था।

इस मामले में तीन ठेकेदारों पर फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र देकर सरकारी कार्य प्राप्त करने का आरोप है। इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है और इसकी जांच भ्रष्टाचार निरोधक विभाग द्वारा की जा रही है। इस प्रकरण में न्यायालय में आरोपपत्र भी दाखिल किया जा चुका है, ऐसा मंत्री महाजन ने स्पष्ट किया।

मंत्री महाजन ने बताया कि बेंबला सिंचाई परियोजना की क्षमता 7.2 टीएमसी है। इस परियोजना से लगभग 52 हजार 423 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई करने की क्षमता है। इस परियोजना का लगभग 99 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और इस क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस मामले में पहले ठेकेदार सतीश भोयर और अभय कुमार एन. हैं। इनके द्वारा किए गए कार्य की लागत लगभग 3 करोड़ 64 लाख रुपये है। दूसरे ठेकेदार सुमित बजोरिया द्वारा किए गए दूसरे कार्य की लागत 5 करोड़ 29 लाख रुपये है। इन दोनों कार्यों में मिट्टी का कार्य और निर्माण कार्य शामिल हैं।

दोनों मामलों में फर्जी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने का आरोप है और उनके विरुद्ध मामले दर्ज किए गए हैं। सुमित बजोरिया के मामले में जांच के बाद आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है, जबकि दूसरे मामले में भी मामला दर्ज कर जांच जारी है।

मंत्री गिरीश महाजन ने यह भी कहा कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है और न्यायालय के निर्णय के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर ने कहा कि सरकार ने प्रथम दृष्टया मामला देखा है और यदि इस मामले में माननीय न्यायालय की ओर से कोई स्थगन आदेश नहीं है, तो सरकार इस ठेकेदार को काली सूची में डालने का निर्णय ले सकती है।

इस दौरान हुई चर्चा में विधायक डॉ. नितिन राऊत, राजू तोडसम तथा प्रशांत बंब ने भी भाग लिया।

विधानसभा की कार्यवाही ध्यान आकर्षित करने वाली

मुंबई में वर्ष 2014 की पात्र सूची के फेरीवालों को अस्थायी स्थान उपलब्ध कराया जाएगा- मंत्री डॉ. उदय सामंत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई में फेरीवालों (हॉकर) के मुद्दे को लेकर दायर मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी है और उच्च न्यायालय का निर्णय शीघ्र आने की संभावना है। किंतु जब तक यह निर्णय नहीं आता, तब तक वर्ष 2014 की पात्र सूची के अनुसार फेरीवालों को अस्थायी स्थान उपलब्ध कराने के लिए महानगरपालिका को निर्देश दिए जाएंगे, ऐसी जानकारी मंत्री डॉ. उदय सामंत ने विधानसभा में दी।

विधायक रईस शेख ने मुंबई शहर में फेरीवाला अधिनियम के क्रियान्वयन को लेकर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

मंत्री सामंत ने बताया कि वर्ष 2014 में मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में फेरीवालों का सर्वेक्षण किया गया था। उस समय 1,28,443 आवेदन प्रपत्र वितरित किए गए थे। उनमें से 99,435 आवेदन महानगरपालिका को प्राप्त हुए और उनमें से 32,415 फेरीवालों को आधिकारिक रूप से पात्र घोषित किया गया। फेरीवालों के मुद्दे पर विभिन्न संगठनों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

फेरीवालों के संबंध में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्देश दिया गया कि स्थायी फेरीवाला क्षेत्र निर्धारित होने तक अनावश्यक बेदखली की कार्रवाई न की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।

मंत्री डॉ. सामंत ने कहा कि फेरीवालों के सर्वेक्षण के पाँच वर्ष बाद उपयुक्त और अनुपयुक्त स्थानों की जाँच के लिए नया सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। मुंबई महानगरपालिका को केंद्र सरकार के फेरीवाला अधिनियम के अनुसार शहर में फेरीवाला क्षेत्र निर्धारित करने के लिए योजना तैयार करनी चाहिए तथा विक्रय प्रमाणपत्रों की जाँच के बाद नए प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया लागू करनी चाहिए। दादर क्षेत्र में रात 2 बजे से सुबह 10 बजे तक सब्जियाँ लाने वाले ट्रकों के कारण यातायात की समस्या उत्पन्न होती है। इस संदर्भ में मुंबई पुलिस और महानगरपालिका को नागरिकों को असुविधा तथा यातायात में बाधा न हो, इसके लिए उचित उपाय करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर ने कहा कि वर्ष 2014 की पात्र फेरीवालों की सूची अंतिम है। इन फेरीवालों को रोजगार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। इसके अनुसार पात्र फेरीवालों को अस्थायी स्थान दिए जाएँ। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि स्थायी स्थान उपलब्ध कराते समय इन अस्थायी स्थानों को हटाया जा सकता है। इस विषय पर हुई चर्चा में विधायक अमीन पटेल, अमित साटम तथा असलम शेख ने भाग लिया।

निर्मलनगर में 524 झोपड़ीवासियों को प्रमाणपत्र वितरित- पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई

मुंबई। निर्मलनगर प्रकरण में 524 पात्र झोपड़ीवासियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए हैं। साथ ही 279 पात्र झोपड़ीवासियों को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए 26 नवम्बर 2025 तथा 18 फरवरी 2026 को समाचार पत्रों के माध्यम से सूचना दी गई थी। इनमें से 64 लोगों ने प्रतिक्रिया दी है। शेष 215 पात्र झोपड़ीवासियों द्वारा आवेदन करने पर उन्हें निर्धारित समय के भीतर प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे, ऐसी जानकारी पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने विधानसभा में दी।

'एसआरए' के अंतर्गत अपात्र झोपड़ीवासियों को पात्र बनाने के लिए चलाई जा रही अभय योजना का सही ढंग से क्रियान्वयन न होने के कारण अनेक झोपड़ीवासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, यह मुद्दा उठाया गया। सायन क्षेत्र के साई सिटी, निर्मल नगर तथा निसर्ग संस्था के रुके हुए पुनर्विकास परियोजनाओं के संबंध में कप्तान आर. सेल्वन ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस चर्चा में अनंत (बाला) नर तथा योगेश सागर ने भी भाग लिया। पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने बताया कि साई सिटी सहकारी गृहनिर्माण संस्था के मामले में पहले नियुक्त किए गए विकासकर्ता की नियुक्ति 14 दिसम्बर 2024 को रद्द कर दी गई थी। इसके बाद अप्रैल से जुलाई 2025 के बीच चार बार निविदाएँ निकाली गईं, किंतु कोई प्रतिसाद प्राप्त नहीं हुआ। इसलिए पुनर्विकास के संबंध में सरकार को अलग नीति पर निर्णय लेना पड़ेगा। अंतिम निविदा जारी करने या सरकार के माध्यम से पुनर्विकास कराने का विकल्प विचाराधीन है, ऐसा भी मंत्री देसाई ने बताया।

इस बीच विधानसभा अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर ने निर्देश दिया कि इस विषय पर मुंबई के विभिन्न विधायकों द्वारा उठाई गई समस्याओं की समीक्षा के लिए आवास मंत्री तथा झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाए।

नवसारी और मरोली स्टेशनों के बीच ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवसारी और मरोली स्टेशनों के बीच आरएच गर्डर को डी-लॉन्च करने हेतु 09/10 मार्च, 2026 को ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 09 मार्च, 2026 को डाउन मेन लाइन पर 10:10 बजे से 13:25 बजे तक ब्लॉक लिया जाएगा। इसी प्रकार, 10 मार्च, 2026 को अप एवं डाउन मेन लाइनों पर 12:00 बजे से 15:30 बजे तक ब्लॉक लिया जाएगा। इन ब्लॉकों के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। प्रभावित ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

10 मार्च, 2026 को रेगुलेट होने वाली ट्रेनें:

09 मार्च, 2026 को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 19016 पोरबंदर-दादर एक्सप्रेस को 1 घंटा 10 मिनट रीशेड्यूल किया जाएगा।

10 मार्च, 2026 को प्रस्थान करने वाली

ट्रेन संख्या 20968 पोरबंदर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस को 1 घंटा 10 मिनट रीशेड्यूल किया जाएगा।

10 मार्च, 2026 को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 22543 बांद्रा टर्मिनस-लालकुआं एक्सप्रेस को 55 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

10 मार्च, 2026 को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल- भिवानी स्पेशल को 1 घंटा रेगुलेट किया जाएगा।

10 मार्च, 2026 को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 19015 दादर-पोरबंदर एक्सप्रेस को 50 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

10 मार्च, 2026 को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12216 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस को 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

10 मार्च, 2026 को शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें:

10 मार्च, 2026 को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09055 बांद्रा टर्मिनस-उधना स्पेशल, बिलीमोरा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा बिलीमोरा से ट्रेन संख्या 09056 उधना-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल के रूप में रिवर्स होगी।

महाविद्यालयों में अतिरिक्त शुल्क पर नियंत्रण किया जाएगा- उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत दादा पाटिल

मुंबई। उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत दादा पाटिल ने बताया कि महाविद्यालयों में विभिन्न नामों से लिए जाने वाले अतिरिक्त शुल्क पर नियंत्रण करने के लिए सरकार ने कदम उठाए हैं। अब शुल्क विनियामक प्राधिकरण शिक्षण शुल्क के साथ-साथ अन्य शुल्कों पर भी नियंत्रण रखेगा।

विधायक असलम शेख ने जलगांव जिले के भुसावल स्थित पी. के. कोटेचा महिला महाविद्यालय में छात्राओं से अतिरिक्त शुल्क लिए जाने के संबंध में प्रश्न उठाया था।

उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत दादा पाटिल ने बताया कि विश्वविद्यालय ने जांच के बाद भुसावल (जलगांव जिला) के पी. के. कोटेचा महिला महाविद्यालय द्वारा लिया गया अतिरिक्त धन वापस करवाया है तथा उस पर दंड भी लगाया गया है। यह दंड राशि विद्यार्थियों के विकास के लिए उपयोग में लाई जाएगी।

जांच में यह सामने आया कि कुछ महाविद्यालय बिजली शुल्क, संगणक प्रयोगशाला आदि के नाम पर शुल्क ले रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में विद्यार्थियों से लिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के शुल्कों पर नियंत्रण करने के लिए कार्रवाई की जाएगी, ऐसा भी मंत्री पाटिल ने कहा।

कला, विज्ञान और वाणिज्य पाठ्यक्रमों के शिक्षण शुल्क बहुत कम हैं और एक निश्चित आय सीमा से कम आय वाले परिवारों के विद्यार्थियों को शुल्क में छूट देने का प्रावधान भी है। किंतु कई महाविद्यालय 'अन्य शुल्क' के नाम पर अतिरिक्त धन लेते हैं, इसलिए अब अतिरिक्त शुल्कों का भी नियमन किया जाएगा, ऐसा मंत्री पाटिल ने स्पष्ट किया।

सम्पादकीय

पेट्रोल, डीज़ल के दाम कंट्रोल में रखने के लिए मोदी ने बनाई जबरदस्त रणनीति

मध्य पूर्व में जारी संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ा दी है। अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की आपूर्ति को प्रभावित किया है, जिसका सीधा असर तेल आयात पर निर्भर देशों पर पड़ रहा है। इस बीच, दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा आयातकों में शामिल भारत ने संभावित आर्थिक झटके से निपटने के लिए तैयारी तेज कर दी है। हम आपको बता दें कि विशेष चिंता का विषय ऐंग्रू दॅ प्देिर्स्लैं है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख समुद्री मार्ग है। खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाला बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आ सकता है। इसका असर भारत की आयात लागत, चालू खाता घाटे और महंगाई दर पर पड़ सकता है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने एहतियातन कई कदमों पर विचार शुरू कर दिया है। पेट्रोल और डीज़ल के निर्यात को सीमित करने की रणनीति तैयार की जा रही है ताकि घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। तेल विपणन कंपनियों को पर्याप्त भंडार बनाए रखने और जरूरत पड़ने पर आपूर्ति प्राथमिकता से घरेलू उपभोक्ताओं को देने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत के पास वर्तमान में सीमित रणनीतिक भंडार है। अनुमान है कि कच्चे तेल का भंडार लगभग 17-18 दिनों की जरूरत पूरी कर सकता है, जबकि पेट्रोल और डीज़ल का स्टॉक करीब तीन सप्ताह तक चल सकता है। यदि संकट लंबा खिंचता है, तो सरकार को वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों पर अधिक निर्भर होना पड़ सकता है।

इसी दिशा में भारत ने रूस सहित अन्य देशों से अतिरिक्त कच्चा तेल आयात बढ़ाने के विकल्पों पर विचार किया है। बीते वर्षों में रूस से रियायती दरों पर तेल खरीद भारत के लिए लाभदायक साबित हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण इस संकट के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके साथ ही थ्झ्उ और थ्उ आपूर्ति भी चिंता का विषय है, क्योंकि भारत अपनी खपत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यदि समुद्री परिवहन में व्यवधान आता है, तो घरेलू गैस वितरण पर दबाव बढ़ सकता है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय करने पर जोर दे रही है।

आर्थिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो इसका असर महंगाई, परिवहन लागत और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ेगा। इससे विकास दर पर भी दबाव आ सकता है। हालांकि सरकार का दावा है कि वह बाजार की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर त्वरित हस्तक्षेप करेगी। निर्यात क्षेत्र को भी संभावित जोखिमों के बारे में सतर्क किया गया है। परिवहन लागत में वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा से व्यापार प्रभावित हो सकता है। सरकार ने निर्यातकों को आश्वासन दिया है कि आवश्यक वित्तीय और नीतिगत समर्थन उपलब्ध कराया जाएगा। कुल मिलाकर, मध्य पूर्व का यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक चुनौती बनता जा रहा है। भारत ने समय रहते रणनीतिक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, ताकि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बनाए रखा जा सके। आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम यह तय करेंगे कि संकट कितना गहरा होता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका कितना व्यापक असर पड़ता है।

ममता की जिद के कारण अंधियारे की तरफ पश्चिम बंगाल

बंगाल में 19वीं सदी के दौरान शिक्षा के केंद्र के रूप में बंगाली पुनर्जागरण ने साहित्यिक और बौद्धिक चेतना का विकास किया, जिससे पश्चिमी शिक्षा का आगमन हुआ। पश्चिम बंगाल ऐतिहासिक रूप से भारत का एक प्रमुख शैक्षणिक और बौद्धिक केंद्र रहा है, जो बंगाली पुनर्जागरण से लेकर आधुनिक काल तक ज्ञान का गढ़ बना रहा है। कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) ने आधुनिक शिक्षा प्रणाली की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें 1857 में स्थापित कलकत्ता विश्वविद्यालय, विश्व-भारती, और आईआईटी खड़गपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। ऐतिहासिक दौर में शिक्षा की कीर्ति पताका फहराने वाले पश्चिम बंगाल की आज हालत यह हो गई है कि 4 हजार स्कूल राम भरोसे हैं। पश्चिम बंगाल की शिक्षा व्यवस्था वेंटिलेटर पर है।

ममता सरकार की जिद से केंद्र सरकार से मिलने वाले 10 हजार करोड़ रुपए डूब गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर यह राशि केंद्र सरकार से मिलने थी। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू नहीं की। ममता सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अहंकार का मुद्दा बना लिया है। केंद्र सरकार के बार-बार अनुरोध करने के बावजूद बंगाल सरकार ने शिक्षा नीति लागू नहीं की नतीजा यह हुआ कि समग्र शिक्षा मिशन के तहत मिलने वाली 10, 000 करोड़

रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय निधि राज्य को नहीं मिल पाई। पूरे देश में जितने भी स्कूल बिना शिक्षकों के चल रहे हैं, उनमें से 50इ अकेले पश्चिम बंगाल में हैं। अर्थात बाकी पूरा देश एक तरफ और ममता का बंगाल एक तरफ।

शिक्षा व्यवस्था में आई यह गिरावट बताती है कि टीएमसी सरकार के राज में बच्चों के भविष्य के साथ कैसा खिलवाड़ हो रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति मातृभाषा (बंगाली) में पढ़ाई की बात करती है, लेकिन ममता सरकार इसे लागू नहीं करना चाहती। क्या राज्य सरकार बंगाली में शिक्षा की अनुमति नहीं देना चाहती? केंद्रीय मंत्री ने साफ कर दिया कि अगर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा सत्ता में आती है, तो शिक्षा क्षेत्र उनका 'प्राइम फोकस' होगा। उन्होंने बंगाल की जनता को संदेश दिया कि वर्तमान सरकार ने शिक्षा को बर्बाद कर दिया है और अब बदलाव ही एकमात्र रास्ता है।

इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने जादवपुर विश्वविद्यालय के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त निधि को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। जहां पूरा देश डिजिटल हो रहा है, वहां बंगाल के स्कूल पाषाण युग में जी रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों में इंटरनेट की पहुंच 70इ है, लेकिन पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में यह आंकड़ा गिरकर महज 16इ रह गया है। जून 2025 में, केंद्र सरकार ने मध्याह्न भोजन योजनाओं का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या में आई तीव्र गिरावट पर चिंता व्यक्त की। केंद्र सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने भी इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी थी, जिसमें इसे राज्य में स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में वृद्धि का मुख्य कारण बताया गया था।

इससे पहले, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान पश्चिम बंगाल में मध्याह्न भोजन के लिए बजटीय आवंटन 2, 377 करोड़ रुपये था। हालांकि, समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान वास्तविक उपयोग मात्र 515.04 करोड़ रुपये (21.66 प्रतिशत) था। इसका अर्थ यह है कि तीनों वित्तीय वर्षों को मिलाकर दोपहर के भोजन के लिए आवंटित बजट का औसत उपयोग प्रतिशत मात्र 16.96 प्रतिशत है। संभवतः, कम प्रतिशत उपयोग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम बंगाल सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस मद के अंतर्गत बजटीय आवंटन को घटाकर 1, 150.90 करोड़ रुपये कर दिया है, जो कि 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के संबंधित आंकड़ों की तुलना में काफी कम है। शिक्षा के लिए बेशक धन नहीं हो किन्तु चुनाव जीतने के लिए ममता सरकार ने खजाने का मुंह खोल दिया है। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेरोजगार युवाओं के लिए राज्य के मासिक ?1, 500 भत्ते की शुरुआत 15 अगस्त से आगे बढ़ाकर 1 अप्रैल कर दी है। राज्य की महिलाओं के लिए लक्ष्मी भंडार प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण योजना के तहत मासिक भत्ते में ?500 की वृद्धि भी की थी, जिसे पिछले सप्ताह 5 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किए जाने के बाद फरवरी से लागू किया जा चुका है। सम्मानजनक वेतन वृद्धि की मांग को लेकर पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों के पैरा शिक्षकों विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पैरा शिक्षकों को प्रति माह 10, 000 से 13, 000 रुपये के बीच वेतन मिलता है और वे संविदा आधार पर काम करते हैं।

देश में कर्ज के बोझ तले दबे सबसे बड़े राज्यों में पश्चिम बंगाल टॉप पर है। बंगाल को अपने राजस्व का 42 फीसदी हिस्सा सिर्फ ब्याज के भुगतान में खर्च करना पड़ा है। वित्त वर्ष 2025 में पश्चिम बंगाल पर ब्याज भुगतान का बोझ अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा था। राज्य को टैक्स और नॉन टैक्स रेवेन्यू से 1.09 लाख करोड़ रुपए मिले थे, लेकिन सिर्फ ब्याज भुगतान पर 45 हजार करोड़ से अधिक खर्च किए गए। इसका मतलब हुआ कि उसके राजस्व का 42 फीसदी हिस्सा तो ब्याज चुकाने में ही चला गया। पश्चिम बंगाल की आर्थिक सेहत खराब होने के साथ जिद के चलते शिक्षा की व्यवस्था भी लड़खड़ा रही है। हो सकता है विधानसभा चुनाव ममता की तृणमूल कांग्रेस जीत जाए किन्तु ममता बनर्जी की जिद के कारण इससे विकास की गति को रफ्तार नहीं मिल सकेगी।

खेल सिखाते हैं जिंदगी के बड़े सबक हम खेलों से बच्चों को क्यों कर रहे हैं दूर

खेलों से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं, पर सीखते नहीं। न ही कभी कोशिश करते हैं। शायद इसीलिए हम अपने बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित नहीं करते, बल्कि खेल के समय में कटौती कर उन्हें पढ़ने पर जोर देते हैं। मानो हम खेलों की अनदेखी कर रहे हों। जबकि पढ़ाई का अपना महत्त्व होता है, तो खेलों की अपनी अहमियत है। खेलों से हम अनुशासन ही नहीं, भाईचारा यानी सौहार्द भी सीखते हैं। खेलों की दुनिया में कोई भी किसी खास धार्मिक पहचान में कैद नहीं होता। सब सूरत से और सीरत से भी सिर्फ खिलाड़ी होते हैं। जाति-धर्म, भाषा-रंग और देश-प्रदेश सब भूल कर जब ये खेल के परिधान में आते हैं, तो एक ही रंग में हो जाते हैं। जीत की तरंग में जिस झंडे के तले खेल रहे होते हैं, उसकी शान में पूरी जान लगा देते हैं।

समानता का उदाहरण बताने के लिए यह पर्याप्त होगा कि गली-मोहल्ले में क्रिकेट खेली जा रही हो या फुटबाल या कोई अन्य खेल, वहां खिलाड़ियों के लिए पानी से भरी एक बाल्टी होती है और उसमें रखा होता है एक गिलास, एक-एक कर खिलाड़ी अपनी प्यास बुझाता है, बिना किसी भेदभाव के। पानी का एक गिलास या एकता का पाठ पढ़ाया करता है। संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के लिए वहां पानी राहत का काम करता है, तो जीत की ओर बढ़ रहे खिलाड़ियों को धैर्य का संदेश देता है। फिर भी न जाने क्यों, हम कुछ नहीं सीखते!

देखा जाए तो खेलों से हिम्मत आती है, साहस का संचार होता है। और तो और, एक जिद पनपती है, जिसे दृढ़ इच्छाशक्ति या एक जुनून कह सकते हैं। बेरुखी में दीवानापन का नाम भी दे दिया जाता है। इसकी वजह भी है कि खेलने पर जब हम आते हैं, तो खेलते ही चले जाते हैं। न रात देखते हैं, न दिन। भूखे-प्यासे खेलने में इतने मस्त कि न धूप की चिंता, न बारिश का भय। बिल्कुल बेपरवाह। बचपन में बच्चे खेलते तो अपनी उम्र के हिसाब से ही हैं, पर हंसी इसलिए आती है इन पर कि इनके खेल निराले होते हैंष्ठ बचपने भरे। कभी घर-घर खेलते हैं, तो कभी डाक्टर-डाक्टर या छुप्पम-छुपाई जैसे अनेक खेल। खुल कर खेला करते हैं बच्चे। बीच-बीच में खेलते हुए लड़ते हैं, तो लड़ते हुए खेलते हैं। यानी कभी कुट्टी करते हैं, फिर तुरंत ही रजामंदी की पुच्ची भी कर लेते हैं। यही आगे चल कर जीवन-शैली बना ली जाए, तो कहने क्या?

असल में बचपन की लड़ाई थोड़ी देर के लिए होती है। प्रमुख होता है खेलनाष्ठ खेलते रहना। एक पार्क में कुछ बच्चे आपस में खेल रहे थे। एक बच्चे ने दूसरे को धक्का दे दिया। धक्के से वह बच्चा गिर गया और रोने लगा। धक्का देने वाला बच्चा उसे देख खुद भी रोने लगा। इसे देखा-देखी के असर में रोना कहना उचित नहीं। असल में धक्का देने वाला वह बच्चा जानता है कि उसे इसकी सजा मिल सकती है। इससे बचने की सोची-समझी तरकीब भी समझी जा सकती है। यह भी संभव है कि गिरने वाले बच्चे को रोते देख उसके भीतर डर पैदा हो गया हो और वह भी रोने लगा। वैसे गिराना-उठाना खेलों का हिस्सा होते हैं। खेल ही सिखाते हैं दम से खेलो, जम के खेलो।

खेलों से रणनीति ही नहीं, कूटनीति भी सीखना चाहिए। क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, बाक्सिंग आदि खेलों में सिखाया जाता है कि आगे बढ़ कर खेलो। पहले खुद पहल करो, ताकि विपक्ष के खिलाड़ी बचाव करें। क्रिकेट के विशेषज्ञ कहते हैं कि गेंद को बाहर ही मारो, घर में घुसने न दो। कहने का तात्पर्य यह कि बल्लेबाज को 'फ्रंटफुट', यानी आगे बढ़ कर बल्लेबाजी करनी चाहिए। पीछे जाकर 'बैकफुट' खेलने से कोई फिरकी गेंद विकेट गिरा सकती है। ऐसे ही हाकी या फुटबाल जैसे खेलों में पीछे हट कर खेलने से 'सेल्फ गोल' हो जाया करते हैं। इसलिए खेलों में आक्रामक खेलना उच्च कोटि की कूटनीति मानी जाती है।

जैसे-जैसे बच्चों की उम्र बढ़ती है, बच्चे स्कूल से कालेज जाने लगते हैं, तो वे खेलों से संघर्ष करना ही नहीं, बल्कि सौहार्दपूर्ण मुकाबला करना सहज ही सीख लेते हैं। आमतौर पर खेलने से पहले और खेल के बाद कोई हारे या कोई जीते, पर रेफरी या अंपायर खिलाड़ियों के आपस में हाथ मिलवाते हैं। दर्शकों का इनसे यथा आदर-अभिवादन भी करवाते हैं। यह एक अच्छा और स्वच्छ तरीका होता है मन के खुले भाव प्रदर्शित करने का। खेलते वक्त जीतने की लालसा में खिलाड़ी खेल के नियम-कायदे भुलाकर लड़ते-झगड़ते भी देखे जाते हैं। फिर भी सबसे प्रमुख यह कि रेफरी, जज या अंपायर, जो भी अंतिम निर्णय देते हैं, वह खेल-भावना के तहत सभी को स्वीकार्य होते हैं।

चूंकि खेल एक जरूरत है, इसलिए देखकर खेलना या खेलकर देखना चाहिए, पर खेल सदा चलते रहने चाहिए। सही और उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए खेलों की महती भूमिका होती है। मौसम और वातावरण के अनुरूप दुनिया में खेल खेले जाते हैं। हाकी, क्रिकेट, फुटबाल, बैडमिंटन, बालीबाल आदि प्रमुख खेल हैं। हालांकि मुख्य रूप से दो खेलों को प्रचार मिलता है- क्रिकेट या फुटबाल। क्रिकेट कुछ महंगा खेल है। इसमें हर खिलाड़ी को बैट, पैड, जूते, दस्ताने, हेलमेट आदि महंगी चीजों की जरूरत पड़ती है, जबकि फुटबाल आम लोगों के लिए होती है। केवल फुटबाल वाले जूते पहन के खेला जाए या नंगे पांव। बस खेल-भावना बनी रहनी चाहिए।

संसद में संवाद क्यों हो रहा है कम, लोकतंत्र के बदलते मिजाज पर गंभीर सवाल

देश की संसद जनता की आकांक्षाओं की वह अभिव्यक्ति है, जो चयनित प्रतिनिधियों में पूर्ण विश्वास प्रकट कर निर्मित की गई है। इसके उत्तरदायित्व में मुख्य रूप से देश के विकास, सुरक्षा और आमजन के कल्याण के लिए नीति निर्माण एवं योजनाएं बनाना है। तकनीकी तरक्की के साथ अब संसद की सारी कार्यवाही सीधे हर घर तक पहुंचती है। अपेक्षा यही की जाती है कि संसद की बैठकों में संवाद और गरिमा के अनुकरणीय स्तर देखने को मिलेंगे। साथ ही इसमें संवेदनशील पारस्परिकता, समय के महत्त्व, जिम्मेदारी का बोध और अध्ययनशीलता जैसे प्रेरक तथा विश्वास उत्पन्न करने वाले तत्त्वों के समावेश की उम्मीद भी की जाती है। संसद के दोनों सदनों में जन प्रतिनिधियों को यह ध्यान रखना होता है कि देश की नई पीढ़ी उनके हर कार्यकलाप, आचार-विचार-व्यवहार को न केवल देखने और महसूस करने में रुचि रखती है, बल्कि उसका अनुसरण भी करना चाहेगी।

स्वतंत्रता के बाद कई वर्षों तक संसद की कार्यवाही सामान्य जन आज की तरह देख तो नहीं सकते थे, लेकिन तब समाचार पत्रों में उससे संबंधित खबरों को तन्मयता से पढ़ा जाता था और उस पर लोग आपस में चर्चा भी करते थे कि संसद देश के भविष्य का निर्माण कर रही है। उस समय काफी हद तक वह सब मिलता था, जो जनता द्वारा चयनित कुशल, सभ्य, संयमित और जवाबदेह प्रतिनिधियों की शिखर संस्था से अपेक्षित होता था। तब देश के हर गांव, कस्बे और शहर में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी घटनाओं की चर्चा होती थी, आजादी पाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वालों को सम्मान पूर्वक एवं गर्व से याद किया जाता था।

मगर देश के वे वरिष्ठजन, जो आज भी संसद की कार्यवाही में रुचि लेते हैं, उसका प्रसारण देखते हैं, उन्हें अब निराशा ही होती होगी। महात्मा गांधी की चर्चा अब कम ही होती है। उन्होंने तत्कालीन संदर्भ में कहा था कि कार्य करने के बाद प्राप्त किए गए अनुभव के बिना दिया गया वक्तव्य परिष्कार और शालीनता से रहित होगा! इसका अनुभव अब सामान्यजन को लगातार हो रहा है। उनकी अपेक्षाएं अब निराशा में तब्दील होती जा रही हैं। विकास के जो प्रयास हो रहे हैं, उनमें सर्वजन कल्याण की भावना के बजाय चयनात्मक सोच की झलक देखने को मिलती है।

भारत में भी इसकी अपेक्षा थी कि विपक्ष और विशेषकर सत्ता से जनता द्वारा हटाए गए राजनीतिक दल भी लोकतंत्र की मूल भावना के अनुसार जनसेवा तथा जनसंपर्क पर अधिक ध्यान देंगे: सत्ता पक्ष से प्रश्न पूछेंगे, उनकी कमियां निकालेंगे और लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। मगर इस मूल भावना की कमी साफ देखने को मिल रही है। यह सही है कि विपक्ष के अधिकांश राजनीतिक दलों के पास जनता का विश्वास पुनः प्राप्त करने की कोई ठोस रूपरेखा उपलब्ध नहीं है, उनमें शामिल युवा और वरिष्ठ राजनेता भी अपने लिए कोई संभावनाएं नहीं देख पा रहे हैं। हताशा के इस माहौल में राष्ट्र और नई पीढ़ी के प्रति उत्तरदायित्व का बोध भी कम हो रहा है। संभवतः वे इस सिद्धांत को भी भूल गए हैं कि सत्ता में वापस आने का रास्ता जनता के दिलों में स्वीकार्यता से होकर गुजरता है और उसे आरोप-प्रत्यारोप के जरिए तलाशने का प्रयास निरर्थक है।

देखा जाए तो जन सामान्य की चर्चाओं में केवल विपक्ष की ही आलोचना होती हो, ऐसा भी नहीं है। आज देश का आम नागरिक जागरूक है, वह स्थिति का विश्लेषण अत्यंत समझदारी और तुलनात्मक रूप से करता है तथा जो इसको समझ सकता है, वही अपने कार्यकलापों में अपेक्षित एवं आवश्यक बदलाव ला सकता है। लोकतंत्र, जनतंत्र या गणतंत्र, मूलभाव को समझने के लिए इनमें से कोई भी विकल्प चुना जाए, उसका आधार जिस शाब्दिक संकल्पना में निहित मिलेगा वह है- संवाद। हर समस्या और वाद-विवाद का समाधान संवाद से ही निकलता है।

जनहित के संकल्प संवाद की सार्थकता में ही निहित हैं। इस समय देश का राजनीतिक वातावरण इस तरह का हो गया है कि लगता है सियासी दल और राजनेता इस पक्ष को भूलते जा रहे हैं। देश के राजनीतिक क्षितिज पर यह शब्द लगभग खो गया है, या यों कहें कि कुछ ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न की जा रही हैं कि सभ्य समाज की आधारभूत संकल्पना 'चर्चा-परिचर्चा' की कोई संभावना ही ना बचे!

अब यह बात भी छिपी नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की प्रगति और साख में जो बढ़ोतरी हुई है, वह कई बड़े देशों की आंख की किरकिरी बन गई है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान जैसे प्रदेशों में किसी भी गांव और कस्बे में जाकर देखा जा सकता है कि वहां सरकारी तंत्र से जुड़ा रहा सम्मानित लोगों का वर्ग एक ही है। पक्ष या विपक्ष में होना एक-दूसरे के प्रति व्यक्तिगत सम्मान तथा सौहार्द में कोई कमी लाए, यह तो सामान्य अपेक्षा हो ही नहीं सकती है। वरिष्ठ राजनीतिक नेतृत्व को पक्ष-विपक्ष के भेदभाव को भूलकर विद्वत वर्ग और विशेषज्ञों की राय लेकर जनहित में संवादहीनता की इस घुटन से देश को मुक्त करने का हर संभव प्रयास करना होगा। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद स्वतंत्र हुए देशों में शामिल भारत में लोकतंत्र के स्थापित होने और उसके आगे बढ़ने को वैश्विक स्तर पर सम्मान से देखा जाता रहा है। आपातकाल को छोड़कर भारत में व्यक्तिगत हित साधने के लिए संविधान के प्रावधानों का दुरुपयोग करने जैसे अवसर पुनः नहीं आए। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश ने एकजुट होकर लोकतंत्र को पुनः स्थापित कर दिया।

यह भी याद रखना होगा कि देश के सुरक्षा बलों ने संविधान की उस आत्मा का अक्षरशः सम्मान किया है कि सर्वोच्च संस्था तो 'हम, भारत के लोग' में ही निहित है। देश को सुरक्षित रखने के दायित्व का अत्यंत गरिमामय ढंग से पालन हुआ है। देश के सुरक्षा बल किसी भी प्रकार की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा से हमेशा दूर रहे हैं। सकारात्मकता की इस स्थिति के निर्मित होने में देश की ज्ञानार्जन परंपरा, दर्शन, वैचारिकता और वैश्विकता की संस्कृति का अहम योगदान रहा है।

राजनीति में पक्ष और विपक्ष की सीमाओं से मुक्त हर भारतीय नागरिक यह गर्व से स्वीकार करता रहा है कि स्वतंत्र भारत राजनीतिक परिपक्वता का परिचय देता रहा है। इसी कारण इक्कसवीं सदी में भारत की विश्व स्तर पर मान्यता और साख तेजी से बढ़ी है। इसमें हमारे युवाओं और उनको तैयार करने वाली संस्थाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मगर पिछले कुछ समय से जो सियासी माहौल बना है, उसमें जनहित के बजाय दलगत राजनीति के निहित स्वार्थ ज्यादा दिखते हैं। स्वतंत्र भारत में प्रारंभ से ही विकास के कार्यों में दूरदृष्टि-पूर्ण निर्णय लिए गए हैं। जो अच्छा कार्य करते हैं, उनसे ही यह अधिकार पूर्वक पूछा जाता है कि वे और अधिक अच्छा क्यों नहीं कर पा रहे हैं। यह आलोचना नहीं, बल्कि प्रेरणा और इच्छाशक्ति को मजबूती देता है। राजनीतिक दलों की अपनी विचारधारा जो भी हो, वे पक्ष में हों या विपक्ष में, उन्हें देश की प्रगति में आपसी सहयोग और सद्भाव के रास्ते लगातार तलाशते रहना होगा।

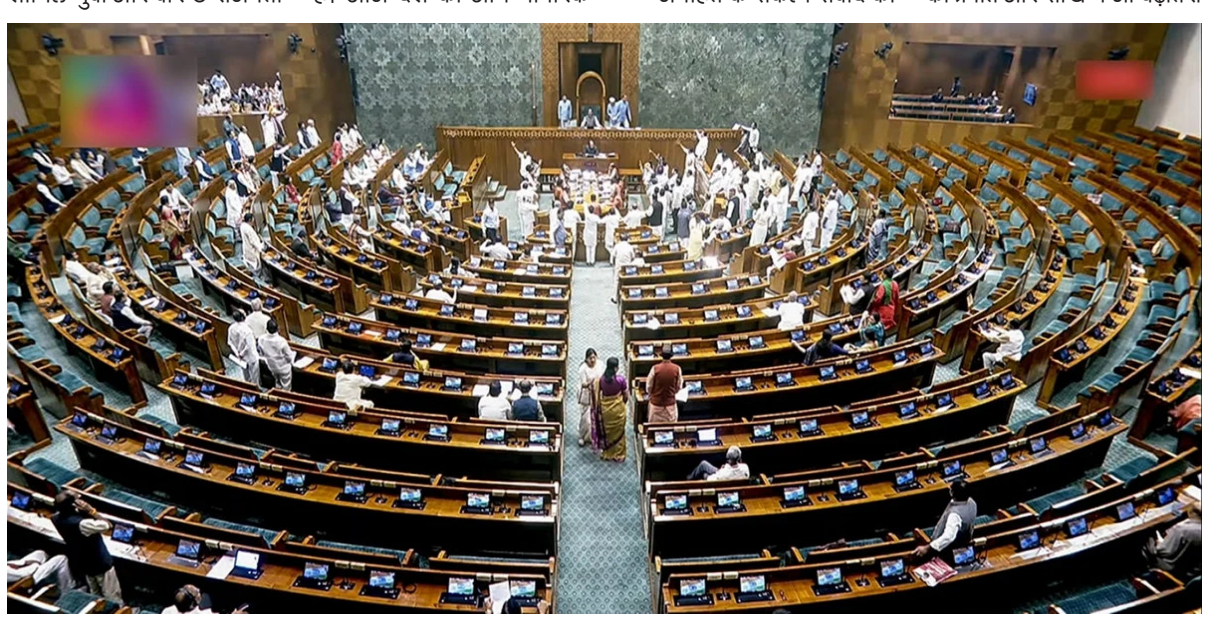

संदिग्ध हालात में फन्दे में लटकता मिला पीडब्ल्यूडी कर्मी का शव

परिजनों ने प्रेमिका व उसकी मां पर जताई हत्या की आशंका

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली गोपीगंज क्षेत्र के रामपुर घाट गांव में गुरुवार की रात एक पीडब्ल्यूडी कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर झूलने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने मृतक की प्रेमिका और उसकी मां पर हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार रामपुर घाट (अमिलौर)निवासी सुरेंद्र वर्मा (30) पुत्र स्व. लल्लन वर्मा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में कर्मचारी थे। बीती रात गांव के बाहर स्थित उनके मकान के एक कमरे में उनका शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और फंदे से उतारकर आनन-फानन में उन्हें एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के भाई जितेंद्र वर्मा ने गोपीगंज कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि रात करीब 12 बजे पड़ोसियों से सूचना मिली कि उसका भाई कमरे में फांसी के फंदे पर झूल रहा है। पड़ोसियों के अनुसार गांव की ही एक युवती, जिससे मृतक का प्रेम संबंध बताया जा रहा है, और उसकी मां ने ही सबसे पहले फांसी की सूचना दी थी और इसके बाद वहां से चली गईं।

भाई ने आशंका जताई है कि उसके भाई की मौत के पीछे प्रेमिका और उसकी मां का हाथ हो सकता है। उसने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

उधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि सुरेंद्र वर्मा तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और अभी उनकी शादी नहीं हुई थी। उनकी मां आंखों से दिव्यांग हैं और परिवार की आजीविका मुख्य रूप से उन्हीं की आय पर निर्भर थी। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

गुंडा एक्ट के आरोपी विकास पर जिला बदर की कार्यवाही

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना सुरियावां क्षेत्र के एक शातिर और मनबढ़ किस्म के अभ्यस्त आरोपी के विरुद्ध प्रभावी पैरवी के बाद गुंडा एक्ट के तहत छह माह के लिए जिलाबदर की कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना सुरियावां क्षेत्र के विकास तिवारी पुत्र मनोज तिवारी निवासी नागमलपुर पर विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहने और आम लोगों के साथ मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने जैसे आरोप हैं। उसके आतंक के कारण क्षेत्र के लोग उसके खिलाफ शिकायत करने से भी कतराते थे।

स्थानीय पुलिस की प्रभावी पैरवी के आधार पर जिलाधिकारी भदोही शैलेष कुमार ने उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत विकास तिवारी को 6 माह के लिए जनपद से जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है।

आदेश के अनुपालन में शुक्रवार को सुरियावां पुलिस टीम ने आरोपी के घर पहुंचकर मुनादी कराते हुए डुगडुगी बजवाकर आदेश की उद्घोषणा की और नोटिस की प्रति चस्पा कर दी। साथ ही चेतावनी दी गई कि निर्धारित अवधि के दौरान यदि वह जनपद की सीमा के भीतर पाया गया तो उसे तत्काल गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार विकास तिवारी के खिलाफ मारपीट, धमकी, दहेज उत्पीड़न व एससी-एसटी एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं।

धावक सतीश वर्मा को एसपी ने किया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सतीश को मिला तीसरा स्थान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही के कोइरौना क्षेत्र निवासी प्रतिभाशाली धावक सतीश कुमार वर्मा ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। इसी वर्ष जनवरी में जनपद रोहतास (हरियाणा) में आयोजित आल इंडिया यूनिवर्सिटी क्रॉस कंट्री (पुरुष) चैंपियनशिप की 10 किलोमीटर दौड़ में सतीश वर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उनकी इस उपलब्धि पर शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक ने सतीश वर्मा को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसपी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सतीश जैसे युवा खिलाड़ियों की सफलता से जिले के अन्य युवाओं को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

गौरतलब है कि सतीश वर्मा ने हाल ही में 28 फरवरी को युवा फ्रेंड फाउंडेशन द्वारा आयोजित 12वीं भदोही हाफ मैराथन में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया था। लगातार मिल रही सफलताओं से सतीश वर्मा जिले के उभरते हुए एथलेटिक्स खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों ने उनकी इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद सतीश ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है, जो जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

साइबर हेल्प डेस्क द्वारा पीड़ित के खाते में धनराशि कराया गया वापस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में हो रहे साइबर अपराध की रोकथाम हेतु अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा साइबर क्राइम पुलिस थाना/ साइबर हेल्प डेस्क को किसी पीड़ित व्यक्ति के साथ हुए धोखाधड़ी या सोशल साइट के दुरुपयोग पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है । उक्त के क्रम में आवेदक बीरबल पुत्र स्व0 मटरू राम मौर्या निवासी वार्ड न0-12 शहीद नगर थाना सुरियावां जनपद भदोही ने गलती से अपने बैंक खाते से गूगल पे के माध्यम से 03.03.2026 को 30, 000/- रुपये अज्ञात मोबाइल नं0 पर भेज दिया था जिसको लेकर आवेदक काफी परेशान था जिसके सम्बन्ध में आवेदक द्वारा आनलाइन शिकायत दर्ज कराया गया था। साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां जनपद भदोही द्वारा उक्त प्रार्थना पत्र तथा ऍंइ पोर्टल का अवलोकन कर त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ित का कुल 30, 000/- रुपयेकी धनराशि को पीड़ित के खाते में वापस कराया गया। पीड़ित द्वारा खाते से गयी धनराशि को वापस पाकर पुलिस अधीक्षक भदोही व साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावाँ जनपद भदोही के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भदोही पुलिस की भूरि- भूरि प्रशंसा की गयी।

होली पर रंग लगाने से नाराज युवक ने साथियों संग किया पथराव

19 लोगों के खिलाफ पीड़ित दी तहरीर

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के कठौता गांव में होली के दिन रंग लगाने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि रंग लगाने से नाराज युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर राजीव मिश्रा के मकान पर ईंट-पत्थर चलाए। सूचना पर पहुंची पीआरबी पुलिस को देखकर आरोपी धमकी देते हुए भाग निकले। पीड़ित राजीव मिश्रा ने बताया कि होली के दिन उनके परिवार के लोगों ने व्यवहारन जोगिनका गांव के एक युवक को रंग लगा दिया था, जिससे नाराज होकर वह गाली-गलौज करने लगा। बाद में कुछ युवकों के साथ लाठी-डंडा लेकर पहुंचा और मकान पर पथराव कर दिया।

पीड़ित का आरोप है कि गुरुवार को पड़ाव स्थित पान की दुकान पर खड़े रहने के दौरान भी आरोपियों ने उन्हें घेरकर मारपीट का प्रयास किया। किसी तरह जान बचाकर घर पहुंचने के बाद उन्होंने चौकी प्रभारी को सूचना दी। राजीव मिश्रा ने 19 युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग करते हुए परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सरकारी जमीन पर दोबारा अतिक्रमण का आरोप, एसडीएम से शिकायत

भदोही। दुर्गागंज थाना क्षेत्र के भगीरथपुर गांव में सरकारी जमीन पर दोबारा अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। गांव निवासी रामधनेश ने उपजिलाधिकारी भदोही को पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि गांव की आराजी संख्या 106 सार्वजनिक उपयोग की भूमि है। इस जमीन पर पहले भी कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया था, जिसकी शिकायत प्रशासन से की गई थी। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए नायब तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवा दिया था।

आरोप है कि अतिक्रमण हटने के बाद संबंधित पक्षों ने दोबारा उसी जमीन पर कब्जा कर लिया है। रामधनेश ने उपजिलाधिकारी का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए मामले की जांच कराकर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

महिला सुरक्षा को लेकर 13 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को होगी बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग श्रीमती चारु चौधरी द्वारा जनपद सिद्धार्थनगर में महिला सुरक्षा एवं अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर विशेष जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक दिनांक 13 मार्च 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे विकास भवन सभागार में संपन्न होगी।बैठक में जनपद के समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाना तथा महिलाओं से जुड़े मामलों की प्रभावी ढंग से समीक्षा करना है। इस दौरान महिला उत्पीड़न से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे, ताकि पीड़ित महिलाओं को शीघ्र न्याय और उचित सहायता मिल सके।साथ ही महिला जनसुनवाई के दौरान जनपद की पीड़ित महिलाएं अपनी शिकायतें सीधे राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगी। प्राप्त शिकायतों पर मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।जिला प्रशासन ने जनपद की सभी महिलाओं से अपील की है कि यदि उन्हें किसी प्रकार की समस्या या शिकायत है तो वे निर्धारित तिथि और समय पर विकास भवन सभागार में उपस्थित होकर अपनी बात रख सकती हैं, ताकि उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

मिशन शांति टीम ने महिला सुरक्षा को लेकर महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद व बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अमित कुमार थाना पथरा बाजार के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के ग्राम बघनी ननकर में चौपाल लगाकर बहू बेटी सम्मेलन/ मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक मलखा प्रसाद, कांस्टेबल सुदामा यादव , महिला कांस्टेबल बबिता भारती द्वारा साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जहाँ महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

डॉग स्क्वॉड श्वान 'मैक्रो' अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट के लिए चयनित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद पुलिस के डॉग स्क्वॉड को बड़ी उपलब्धि मिली है।एसपी अभिमन्यु मांगलिक के नेतृत्व और शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच डॉग स्क्वॉड के श्वान 'मैक्रो' का चयन 69वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट के लिए किया गया है।

यह प्रतियोगिता नागपुर में 28 मार्च से 2 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगी। श्वान मैक्रो ने हरियाणा के पंचकूला स्थित राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र फॉर डॉग एंड एनिमल से नौ माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है और अपने बैच में शीर्ष पांच कैडेट्स में स्थान हासिल किया था।

भदोही पुलिस के अनुसार प्रशिक्षित श्वानों की मदद से चोरी, लूट, हत्या और डकैती जैसे गंभीर मामलों के खुलासे में लगातार सफलता मिल रही है। इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने श्वान मैक्रो और डॉग स्क्वॉड टीम को बधाई देते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस ने बालिकाओं और महिलाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बाँसी शुवेंदु सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार मौर्य के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के ग्राम झूगवा गडोरी मे मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक अयोध्या यादव, महिला हेड कांस्टेबल नीलम शुक्ला, महिला कांस्टेबल प्रतिमा दूबे द्वारा

साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

स्टैटिक मजिस्ट्रेट की गिरानी में होगी कांपियों का मूल्यांकन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड हाईस्कूल-इंटरमीडिएट परीक्षा संग कांपियों के मूल्यांकन की तैयारी भी विभागीय स्तर से शुरू हो गई है। इस वर्ष उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए एक ही केंद्र विभूति नारायण राजकीय इंटर कालेज को बनाया गया है। कोठार से कांपियां निकलने के बाद कांपियों का मूल्यांकन किया जाएगा।जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान ने बताया कि संभवतः 19 मार्च से कांपियों का मूल्यांकन शुरू हो जाएगा। कांपियों के जांच को एक स्टैटिक और एक सेक्टर मजिस्ट्रेट की निगरानी बनी रहेगी। कांपियों का मूल्यांकन सीसीटीवी कैमरे की नजर में होगा। कांपी जांच के लिए कुल 92 टेबल बनाए जाएंगे। 92 शिक्षकों द्वारा ही कांपियों की जांच की जाएगी। मूल्यांकन के पूर्व कांपी जांच में लगने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। जिले में कुल 94 केंद्रों पर यूपी बोर्ड की परीक्षा चल रही है। परीक्षा समाप्त होने के बाद कांपी मूल्यांकन का प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद 19 मार्च से उत्तर पुस्तिकाओं की जांच शुरू कर दी जाएगी। पिछले वर्ष कांपियों की जांच के लिए दो केंद्र बनाए गए थे। लेकिन इस साल सिर्फ वीएनजीआईसी में ही 92 टेबलों पर कांपियों की जांच की जाएगी। हाईस्कूल-इंटरमीडिएट को मिलाकर डेढ़ लाख से ज्यादा कांपियों की जांच होगी।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ शिक्षक समस्याओं के समाधान में सक्षम और अग्रणी : देवेन्द्र मिश्र

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सुरियावां की ब्लॉक कार्यकारिणी की कोर ग्रुप की आवश्यक और नियमित बैठक, ब्लॉक संरक्षक अनिल कुमार यादव की अध्यक्षता में कंपोजिट विद्यालय बेला में सम्पन्न हुई।बैठक में संभावित ऑनलाइन अटेंडेंस सहित कई अन्य प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष और महामंत्री का स्पष्ट संदेश रहा कि बिना 30 ई एल, हाफ सी एल और पदोन्नति सहित अन्य मांगो को पूरा किए, किसी भी प्रयोग का पुरजोर विरोध किया जाएगा।जनपद स्तर और ब्लॉक स्तर की समस्याओं के हल के लिए वार्ता से समाधान का निर्णय लिया गया।इस अवसर पर बोलते हुए संगठन के महामंत्री देवेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टी ई ई उत्तीर्ण करने के मामले को हल करने में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सक्षम है और शीघ्र ही इसका हल निकलेगा। बैठक में उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार, संयुक्त महामंत्री वेद प्रकाश रघुवंशी, बाल मुकुंद मौर्य, ओम प्रकाश सिंह, पवन सिंह सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक का संचालन महासंघ के अध्यक्ष राजीव रतन यादव ने किया।

भिवंडी में बड़े वाहनों की समस्या पर मनपा और पुलिस की संयुक्त बैठक..

ट्रैफिक नियंत्रण, अवैध पार्किंग और रिक्षा स्टैंड पर कार्रवाई के लिए समन्वित कदम उठाने पर जोर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में बढ़ती अवजड वाहनों की आवाजाही से उत्पन्न हो रही ट्रैफिक समस्या और उससे जुड़ी अन्य परेशानियों पर चर्चा करने के लिए गुरुवार को मनपा और पुलिस प्रशासन की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।यह बैठक 5 मार्च 2026 को महापौर नारायण रतन चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विधायक महेश चौगुले विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में शहर में अवजड वाहनों के आवागमन के समय का नियमन, सड़कों पर हो रही अवैध पार्किंग, बेकायदेशीर रिक्षा स्टैंड और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।महापौर नारायण रतन चौधरी और विधायक महेश चौगुले ने बैठक में मौजूद मनपा और पुलिस अधिकारियों से इन समस्याओं के समाधान के लिए आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रशासन और पुलिस दोनों को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे, जिससे आम नागरिकों को होने वाली परेशानी कम हो सके।बैठक में नगर निगम आयुक्त अनमोल सागर, उपमहापौर तारिक अब्दुल बारी मोमीन, उपायुक्त विक्रम दराडे, शहर अभियंता, सहायक संचालक नगर रचना, सभी प्रभाग अधिकारी, शहर के विभिन्न पुलिस थानों के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक और यातायात शाखा के पुलिस निरीक्षक भी उपस्थित थे।बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार, अवजड वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए समय निर्धारण, अवैध पार्किंग और अवैध रिक्षा स्टैंड के खिलाफ कार्रवाई तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।अधिकारियों ने बताया कि बैठक में तय किए गए मुद्दों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा के लिए अगले 15 दिनों के भीतर फिर से एक बैठक आयोजित कर प्रगति का आकलन किया जाएगा।

पावर लूम फैक्ट्री में विवाद के बाद मजदूर पर हमला...

हथौड़ी से वार कर किया घायल, दो आरोपियों पर मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के कारिवली गांव स्थित एक टेक्सटाइल पावरलूम फैक्ट्री में काम के दौरान हुए विवाद में एक मजदूर पर हथौड़ी से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भोईवाडा पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार कारिवली गांव के सायरा टेक्सटाइल लूम कारखाने में 5 मार्च को दोपहर करीब 1 से 1:30 बजे के बीच यह घटना हुई। शिकायतकर्ता रमेश रामनारायण पाल (40) लूम मजदूर हैं और वसंत शेट चॉल, कारिवली गांव के निवासी हैं। घटना के समय वह फैक्ट्री में काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि उसी दौरान उनके साथ काम करने वाले राजेश राजभर और राधेश्याम पाल वहां पहुंचे। फैक्ट्री का काम शुरू करने को लेकर उनके बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान गुस्से में आकर राजेश राजभर ने अपने हाथ में मौजूद हथौड़ी से रमेश पाल के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के दौरान राधेश्याम पाल ने भी आरोपी का साथ दिया। घायल मजदूर ने बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर भोईवाडा पुलिस ने राजेश राजभर और राधेश्याम पाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 118(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अवैध संबंध के शक में युवक पर जानलेवा हमला

पति ने मटन काटने वाले चाकू से किया वार, गंभीर घायल युवक सायन अस्पताल में भर्ती

भिवंडी। शहर के कामतघर इलाके में अवैध संबंध के शक को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने मटन काटने वाले चाकू से युवक के चेहरे पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के मुताबिक 4 मार्च 2026 की सुबह करीब 5 बजे कामतघर स्थित ब्रह्मानंद नगर में शनि मार्केट के पास गणेश मंदिर के सामने यह घटना हुई। शिकायतकर्ता 28 वर्षीय महिला, जो ब्रह्मानंद नगर की निवासी है, के पति विजय राघो शहा (35) को उसकी पत्नी और नीरज सुभाष साह (20) के बीच प्रेम संबंध होने का शक था। बताया जा रहा है कि इसी शक के चलते आरोपी ने गुस्से में आकर नीरज साह पर मटन काटने वाले चाकू से हमला कर दिया। हमले में नीरज के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए मुंबई के सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। मामले की शिकायत के आधार पर नारपोली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है और उसकी तलाश जारी है। मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक धनराज केदार कर रहे हैं।

भिवंडी में नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई...

गांजा और अफीम के साथ दो मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार, लाखों का मादक पदार्थ जब्त

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए गांजा और अफीम के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर पुलिस आगे की जांच में जुट गई है। पहली कार्रवाई शांतिनगर पुलिस ने की। पुलिस के अनुसार 5 मार्च की रात करीब 3:30 बजे साईं बाबा मंदिर के पास संदिग्ध रूप से गुजर रही एक मोटरसाइकिल को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बाइक से 1 लाख 25 हजार रुपये कीमत का 1.065 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इस मामले में पुलिस ने अंकुश उदयभान यादव (25) और रोहन उर्फ बंटी शिवकुमार यादव (25), निवासी उल्हासनगर, को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(क), 20(ब) और 29 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी गांजा बेचने के इरादे से उसे अपने कब्जे में रखे हुए थे। दूसरी कार्रवाई नारपोली पुलिस ने की। पुलिस के अनुसार 5 मार्च को दोपहर करीब 3:12 बजे खड़ी मशीन के पास ओवली खिंड से माणकोली की ओर जाने वाले मार्ग पर जांच के दौरान एक संदिग्ध वाहन को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से अफीम और उसका चूरा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 37 लाख 98 हजार 375 रुपये बताई जा रही है। जब्त मादक पदार्थ का कुल वजन करीब 151.935 किलो से अधिक बताया गया है। इस मामले में पुलिस ने राकेश कुमार भवरलाल गोदारा (30), निवासी जोधपुर, राजस्थान, को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके दो अन्य साथी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पश्चिम रेलवे ने मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट तेजस स्पेशल में चार अतिरिक्त कोच जोड़े

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 09027/09028 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट तेजस स्पेशल में अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए ट्रेन संख्या 09027/09028 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट स्पेशल में एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच तथा तीन अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़े गए हैं। इस प्रकार ट्रेन में कुल 4 अतिरिक्त कोचों की वृद्धि की गई है। इस वृद्धि के फलस्वरूप, 07 मार्च 2026 को मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09027 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट स्पेशल तथा 09 मार्च 2026 को अहमदाबाद से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09028 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल एसी सुपरफास्ट स्पेशल, अब 15 कोच के स्थान पर 19 कोचों के साथ चलेगी।

यह वृद्धि यात्रियों को बेहतर सुविधा एवं अधिक आराम प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। ट्रेनों के ठहराव, समय तथा कोच संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

5.67 लाख की चोरी उजागर, दो जगह छापेमारी

भिवंडी में पानी चोरों पर मनपा की बड़ी कार्रवाई

2 पर केस, एक साल में 115 अवैध कनेक्शन काटे

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका का जलापूर्ति विभाग इन दिनों पानी चोरी के खिलाफ एक्शन मोड में है। विभाग ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में छापेमारी कर दो अवैध नल कनेक्शन तोड़ते हुए 5.67 लाख रुपये की पानी चोरी का पर्दाफाश किया है। दोनों मामलों में संबंधित आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर के नेतृत्व में पाइपलाइन सुरक्षा और पानी चोरी पर अंकुश लगाने के लिए 7 सदस्यीय विशेष टीम गठित की गई है। पथक प्रमुख के रूप में क्लर्क विराज भोईर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नाशिक रोड पर 99 हजार की चोरी पकड़ी...

टीम को सूचना मिली थी कि नाशिक रोड स्थित अवचितपाड़ा इलाके में मेराज खलील अहमद शेख ने बिना अनुमति मनपा की पाइपलाइन में छेड़छाड़ कर आधा इंच का अवैध कनेक्शन जोड़ रखा है। जांच में सामने आया कि इस कनेक्शन के जरिए सर्विसिंग सेंटर को पानी की सप्लाई दी जा रही थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर कनेक्शन तत्काल खंडित किया और शांतिनगर पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इस अवैध कनेक्शन से मनपा को अब तक 99,400 रुपये का नुकसान हुआ था।

टेम्पो से हो रही थी पानी की सप्लाई.....

दूसरी कार्रवाई 4 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3:30 बजे नारपोली स्थित चौथानी कंपाउंड में की गई। यहां मुन्नवर नसीम खान द्वारा बिना अनुमति पाइपलाइन में एक इंच व्यास के दो अवैध कनेक्शन लेने का मामला सामने आया। जांच में पता चला कि गोदाम में 5000 लीटर क्षमता की 7 टंकियों में पानी जमा कर पंप के माध्यम से मिनीडोर वाहन में भरकर होटल, डाइंग और साइजिंग इकाइयों को सप्लाई किया जा रहा था। टीम ने मौके से 7 टंकियां, 3 मोटर और एक सबमर्सिबल पंप जब्त किया। इस मामले में मनपा को करीब 4.68 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

एक साल में 115 अवैध कनेक्शन काटे.....

जलापूर्ति विभाग के अनुसार पिछले एक वर्ष में 115 अवैध नल कनेक्शन खंडित किए गए हैं। साथ ही 31 लोगों के खिलाफ पानी चोरी के मामले दर्ज कराए गए हैं। दोनों ताजा मामलों में शांतिनगर और नारपोली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 324(4), 326(अ) और 303(2) के तहत केस दर्ज किया है। कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर ने कहा कि अवैध कनेक्शन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। मनपा की सख्ती के बाद पानी चोरों और माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

महापौर नारायण रतन चौधरी ने 50 बेड वाले बीजीपी अस्पताल का किया निरीक्षण

गरीबों को बेहतर और त्वरित इलाज देने के निर्देश, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के मंडई स्थित 50 बेड क्षमता वाले बीजीपी हॉस्पिटल (यूसीएचसी) का सोमवार सुबह 11 बजे महापौर नारायण रतन चौधरी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं, उपलब्ध सुविधाओं और मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली।महापौर ने अधिकारियों से कहा कि शहर के गरीब और जरूरतमंद नागरिकों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि इलाज में किसी भी प्रकार की देरी, लापरवाही या अनावश्यक टालमटोल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी स्तर पर ढिलाई पाई गई तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान महापौर ने ओपीडी, वार्ड, दवाओं की उपलब्धता, उपकरणों की स्थिति और साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से भी बातचीत कर अस्पताल की सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया। इस अवसर पर महानगरपालिका के मुख्य वैद्यकीय अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विद्या शेट्टी, अतिरिक्त शहर अभियंता सचिन नाईक, कार्यकारी अभियंता (पानी आपूर्ति) संदीप पटनावर, कार्यकारी अभियंता (विद्युत) काजी एवं वाघमारे, प्रभाग समिति क्रमांक 5 के प्रभाग अधिकारी सईद चिवणे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। शहर के चिकित्सा क्षेत्र के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नुरुद्दीन अंसारी और डॉ. अर्शद भी इस दौरान उपस्थित थे। महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहरवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसके लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए।

पश्चिम रेलवे चलाएगी चार सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए, बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद, अहमदाबाद-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस तथा अहमदाबाद-पुणे के बीच विशेष किराये पर चार सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09029/09030 बांद्रा टर्मिनस - अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल रविवार, 08 मार्च 2026 को 00:05 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान कर उसी दिन 08:40 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09030 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल सोमवार, 09 मार्च 2026 को 03:20 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान कर उसी दिन 11:35 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच एवं वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर एवं एसी 3-टियर कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09043/09044 बांद्रा टर्मिनस - अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09043 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल सोमवार, 09 मार्च

2026 को 14:30 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान कर उसी दिन 22:55 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09044 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल सोमवार, 09 मार्च 2026 को 03:50 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान कर उसी दिन 12:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच एवं वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में एसी 3-टियर कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 01154/01153 अहमदाबाद-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस सुपरफास्ट एसी स्पेशल ड02 फेरे.

ट्रेन संख्या 01154 अहमदाबाद-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल सोमवार, 09 मार्च 2026 को 04:00 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान कर उसी दिन 12:55 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 01153 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल शनिवार, 07 मार्च 2026 को 22:05 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से प्रस्थान कर अगले दिन 06:40 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, सूरत, वसई रोड, ठाणे एवं दादर स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में एसी 3-टियर (इकोनॉमी) कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 01418/01417 अहमदाबाद - पुणे सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 01418 अहमदाबाद-पुणे स्पेशल सोमवार, 09 मार्च 2026 को 02:00 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान कर उसी दिन 12:10 बजे पुणे पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 01417 पुणे-अहमदाबाद स्पेशल शनिवार, 07 मार्च 2026 को 17:30 बजे पुणे से प्रस्थान कर अगले दिन 05:30 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, सूरत, वसई रोड, कल्याण एवं लोनावला स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकेंड क्लास के कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09029, 09030, 09043, 09044, 01154 एवं 01418 की बुकिंग 07.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं कोच संरचना की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

टी-20 विश्व कप फाइनल के लिए मध्य रेल की विशेष ट्रेन सेवाएँ

मुंबई / पुणे से अहमदाबाद के बीच 4 विशेष ट्रेनें चलेंगी

मुंबई(संवाददाता)। मध्य रेल द्वारा दिनांक 8 मार्च 2026 (रविवार) को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले टी-20 विश्व कप फाइनल मैच के लिए क्रिकेट प्रेमियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मुंबई और पुणे से अहमदाबाद के बीच आने-जाने के लिए 4 विशेष ट्रेन सेवाएँ चलाई जाएंगी। सीएसएमटी - अहमदाबाद - सीएसएमटी एसी सुपरफास्ट विशेष (2 सेवाएँ) 01153 एसी सुपरफास्ट विशेष

यह ट्रेन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुंबई) से 7 मार्च 2026 को रात 22:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 06:40 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी।

01154 एसी सुपरफास्ट विशेष

यह ट्रेन अहमदाबाद से 9 मार्च 2026 को सुबह 04:00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 12:55 बजे सीएसएमटी मुंबई पहुँचेगी।

ठहरावः दादर, ठाणे, वसई रोड, सूरत और वडोदरा

संरचनाः

18 एसी तीन-स्तरीय इकॉनॉमी कोच तथा 2 जनरेटर कार

पुणे - अहमदाबाद - पुणे सुपरफास्ट विशेष (2 सेवाएँ)

01417 सुपरफास्ट विशेष

यह ट्रेन पुणे से 7 मार्च 2026 को शाम 17:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 05:30 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी।

01418 सुपरफास्ट विशेष

यह ट्रेन अहमदाबाद से 9 मार्च 2026 को सुबह 02:00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 12:10 बजे पुणे पहुँचेगी।

ठहरावः लोणावला, कल्याण, वसई रोड, सूरत और वडोदरा

संरचनाः 1 एसी दो-स्तरीय कोच, 5 एसी तीन-स्तरीय कोच, 10 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी तथा 2 द्वितीय श्रेणी सिटिंग सह गार्ड ब्रेक वैन

विशेष ट्रेन संख्या 01153 और 01417 के लिए बुकिंग 7 मार्च 2026 से सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों तथा वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध होगी।

'भारत खुशकिस्मत है कि बुमराह जैसा गेंदबाज हमारे पास है' : पूर्व ऑलराउंडर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की रोमांचक जीत के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी चर्चा का केंद्र बन गई है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि भारत बेहद खुशकिस्मत है कि ऐसा गेंदबाज टीम के लिए खेलता है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बुमराह की डेथ ओवर गेंदबाजी ने मैच का रुख पलट दिया। पठान का मानना है कि बुमराह जैसे गेंदबाज पीढ़ियों में एक बार ही देखने को मिलते हैं।

इरफान पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह भारत को मिला एक बेहद खास गेंदबाज है। उनके अनुसार क्रिकेट इतिहास में बहुत कम गेंदबाज ऐसे हुए हैं जिनके पास इतनी विविधता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता हो। पठान ने कहा कि बुमराह के पास यॉर्कर, स्लोअर बॉल, इनस्विंग, आउटस्विंग और बाउंसर जैसी हर तरह की गेंद है, जिससे वह किसी भी बल्लेबाज को मुश्किल में डाल सकते हैं। उनका मानना है कि भारत को पहले कभी बुमराह जैसा गेंदबाज नहीं मिला और दुनिया में भी इस तरह के गेंदबाज बेहद कम देखने को मिलते हैं।

सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 253/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें संजू सैमसन की 89 रन की शानदार पारी शामिल थी। जवाब में इंग्लैंड ने दमदार बल्लेबाजी की और मैच आखिरी ओवरों तक रोमांचक बना रहा। लेकिन मुकाबले का सबसे अहम मोड़ तब आया जब जसप्रीत बुमराह ने 18वां ओवर फेंका।उस समय इंग्लैंड को आखिरी तीन ओवरों में 45 रन की जरूरत थी, लेकिन बुमराह ने अपने ओवर में सिर्फ छह रन दिए और चार सटीक यॉर्कर

डाले। इस शानदार ओवर ने इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा दिया।

बुमराह के शानदार ओवर के बाद हार्दिक पांड्या ने 19वें ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। उन्होंने इस ओवर में सिर्फ नौ रन दिए और खतरनाक बल्लेबाज सैम करन को आउट कर दिया। अंत में इंग्लैंड की टीम 246/7 तक ही पहुंच सकी और भारत ने सात रन से मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

इरफान पठान का मानना है कि इस मुकाबले में बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह मैच एक बेहद फ्लैट पिच पर खेला गया था, जहां लगभग 500 रन बने। पठान के मुताबिक ऐसे हालात में जहां बाकी गेंदबाज 10 या उससे ज्यादा इकॉनमी से रन दे रहे थे, वहां बुमराह ने रन पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उनका कहना है कि कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी ही असली मैच विनर होता है।

टी20 वर्ल्ड कप : वह जडेजा की कमी पूरी कर रहे हैं, सेमीफाइनल के बाद बोले सुनील गावस्कर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत की इंग्लैंड पर रोमांचक जीत के बाद टीम इंडिया के ऑलराउंडर अक्षर पटेल की शानदार फील्डिंग की खूब चर्चा हो रही है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने अक्षर के दो बेहतरीन कैच की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह टीम में रविंद्र जडेजा की कमी को बखूबी पूरा कर रहे हैं। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को सात रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। गावस्कर के मुताबिक अक्षर की क्रिकेटिंग समझ और लगातार सुधार उन्हें भविष्य में भारत के महान खिलाड़ियों में शामिल कर सकता है।

सेमीफाइनल मुकाबले में जहां संजू सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी और जसप्रीत बुमराह की कसी हुई गेंदबाजी ने सुर्खियां बटोरीं, वहीं अक्षर पटेल की फील्डिंग भी भारत की जीत में बेहद अहम साबित हुई। अक्षर ने मैच के दौरान दो शानदार कैच लेकर इंग्लैंड की पारी को झटका दिया। पहला कैच उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान

हैरी ब्रूक को आउट करने के लिए लिया, जो मैच का रुख बदलने वाला साबित हुआ। गावस्कर के अनुसार, ब्रूक जैसे खतरनाक बल्लेबाज को आउट करने के लिए हर छोटे मौके का फायदा उठाना जरूरी होता है और अक्षर ने वही किया।

गावस्कर ने खास तौर पर ब्रूक के कैच की तारीफ करते हुए बताया कि अक्षर ने अपनी फील्डिंग पोजिशन से लगभग 24 मीटर तक दौड़ लगाई। उन्होंने गेंद पर नजर बनाए रखी, संतुलन बनाए रखा और शानदार अंदाज में कैच पकड़ लिया। गावस्कर ने इसे 'अविश्वसनीय' करार दिया और कहा कि इस तरह की फील्डिंग बड़े मैचों में टीम को अतिरिक्त बढ़त दिलाती है।

अक्षर पटेल का दूसरा बड़ा योगदान उस समय आया जब उन्होंने विल जैक्स को आउट करने में अहम भूमिका निभाई। उस समय जैकब बेथेल और जैक्स के बीच पांचवें विकेट के लिए तेज़ साझेदारी बन रही थी। अक्षर ने बाईं ओर दौड़कर गेंद पकड़ी और समझदारी दिखाते हुए उसे शिवम दुबे को पास कर दिया, जिन्होंने कैच पूरा किया। इस रिले कैच ने जैकब बेथेल और जैक्स के बीच 77 रन की खतरनाक साझेदारी को तोड़ दिया, जो इंग्लैंड को जीत के करीब ले जा रही थी।

सुनील गावस्कर ने अक्षर पटेल की क्रिकेटिंग समझ और शांत स्वभाव की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के सबसे ऊंचे स्तर पर खिलाड़ी का टेम्परामेंट ही उसे अच्छा खिलाड़ी से महान खिलाड़ी बनाता है। गावस्कर का मानना है कि अक्षर की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों लगातार बेहतर हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहले टीम इंडिया के पास रविंद्र जडेजा जैसा ऑलराउंडर था और अब अक्षर उसी भूमिका को काफी अच्छी तरह निभा रहे हैं।

टी20 फ्रेंचाइजी खरीदेंगे द्रविड़ और अश्विन, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लंदन **(एजेंसी)**। दिग्गज खिलाड़ी राहुल द्रविड़ और रविचंद्रन अश्विन उस भारतीय समूह का हिस्सा हैं जो यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में एक फ्रेंचाइजी खरीदने जा रहा है। बीबीसी स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार गर्मियों में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट में ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी को खरीदने के लिए इस समूह ने एक समझौते पर सहमति जताई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईटीपीएल नीदरलैंड के रॉटरडैम स्थित अपनी फ्रेंचाइजी को भी दक्षिण अफ्रीका के निवेशकों के एक समूह को बेचने की तैयारी में है। इस समूह में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी फाफ डुप्लेसी, हेनरिक क्लासेन और जोंटी रोड्स भी शामिल हैं। संभावना है कि इस महीने के आखिर में एक कार्यक्रम में दोनों फ्रेंचाइजी की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग में स्थित ईटीपीएल फ्रेंचाइजी को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के निवेशकों को बेच दिया गया था।

अभी यह पता नहीं चल पाया है कि अश्विन ईटीपीएल में खेलेंगे या नहीं। इस 39 वर्षीय खिलाड़ी ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया था। अब वह वैश्विक फ्रेंचाइजी लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'अश्विन की भागीदारी बेहद दिलचस्प है। इससे उनके ईटीपीएल में खेलने की संभावना बन

गई है, जो आयोजकों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।'

अश्विन ने भारत के लिए 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल 765 विकेट लिए। द्रविड़ पूर्व में स्कॉटलैंड की क्रिकेट से जुड़े रहे हैं और माना जा रहा है कि यही कारण है कि उन्होंने ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ने का फैसला किया।

स्कॉटलैंड जब इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में भाग लेता था तब द्रविड़ 2003 में उसके लिए खेले थे। भारत के दिग्गज बल्लेबाज द्रविड़ ने नेशनल क्रिकेट लीग में 11 मैच खेले, जिसमें उन्होंने तीन शतकों सहित 600 रन बनाए। द्रविड़ ने भारत के लिए 164 टेस्ट और 344 वनडे मैच खेले। उन्होंने इनमें 48 शतकों सहित 24, 000 से अधिक रन बनाए। वह नवंबर 2021 से जून 2024 तक भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच भी रहे।

आईपीएल 2026 से पहले मुंबई इंडियंस की जर्सी में बदलाव, नए अवतार में दिखेंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भले ही मौजूदा समय में टी20 वर्ल्ड कप 2026 का क्रेज फैंस के सिर चढ़ कर बोल रहा हो लेकिन आईपीएल के नए सीजन के लिए भी क्रिकेट प्रेमी बेहद उत्साहित हैं। चेन्नई सुपर किंग्स समेत कुछ फ्रेंचाइजी ने तो तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। अब सयुंक्त रूप से सबसे सफल टीम मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 के लिए अपनी नई किट लॉन्च करके इस उत्साह को और बढ़ा दिया है। मुंबई इंडियंस ने अपनी नई जर्सी लॉन्च की है। जिसके वीडियो में जसप्रीत बुमराह, रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या प्रमुख रूप से नजर आ रहे हैं। मुंबई इंडियंस की इस जर्सी पर छोटे-छोटे अक्षरों में एम बना हुआ है। एमआई ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया है कि ये अक्षर माइंडसेट, मेंटालिटी और मोमेंटम को दिखाता है। ये जर्सी अपनी टीम को लक्ष्य पर फोकस करने के लिए प्रेरणा देगी। इस बार मुंबई इंडियंस ने डिटेलिंग में काफी फोकस किया है।

वहीं मुंबई इंडियंस को इस साल मलेशिया एयरलाइंस स्पॉन्सर क रही है। वीडियो में कप्तान हार्दिक पंड्या नजर आए और इसके बाद जर्सी का क्लोज से लुक नजर आया। वहीं वीडियो के अंत में रोहित शर्मा नजर आए।

भारी घाटे के बीच आईकिया इंडिया का बड़ा दांव, 25 नए स्टोर खोलकर 2028 तक मुनाफे में आने का मास्टर प्लान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्वीडन की दिग्गज फर्नीचर खुदरा विक्रेता आइकिया भारत में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है। कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक भारत में उसका परिचालन मुनाफे में आ जाएगा। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि अगले चार-पांच वर्षों में 25 नए छोटे और मध्यम आकार के स्टोर खोलने की योजना है। आइकिया इंडिया के सीईओ पैट्रिक एंटोनी ने पीटीआई- को बताया कि मुनाफे में आने का लक्ष्य कुल राजस्व बढ़ाकर, अधिक स्टोर खोलकर, स्थाई लागत कम करके और परिचालन दक्षता में सुधार करके हासिल किया जाएगा।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

महानगरपालिका की सामान्य मासिक बैठक मंगलवार, दिनांक 17 मार्च 2026 को दोपहर 2.00 बजे, महानगरपालिका के कार्यालय में निम्नलिखित कार्यों पर विचार करने के लिए आयोजित की जाएगी :-

1. प्रश्नोत्तर।

2. प्रस्तावों की सूचनाओं पर विचार करने के लिए बैठक की तिथि निर्धारित करना।

आयुक्त तथा अन्य के द्वारा प्राप्त पत्राचार :-

3-9. (3) 'पी/दक्षिण' विभाग के अंतर्गत मालाड (पश्चिम), प्रभाग क्रमांक 50 में अहिंसा मार्ग स्थित इंफंट जिसस स्कूल के सामने, न. भू. क्र. 1230/ई/2, 1230/सी और 1228/बी धारण करने वाले खेल के मैदान का नाम 'श्री विठ्ठल रुक्मिणी मैदान' रखना।

(4-6) 'के/पश्चिम' विभाग के अंतर्गत अंधेरी (पश्चिम) में -

(4-5) प्रभाग क्रमांक 65 में वीरा देसाई रोड के पास -

(4) एस. बी.-आई. सन्मान को-ऑपरेटिव सोसायटी से शुभम को-ऑपरेटिव सोसायटी, आजाद नगर रोड नंबर 3 तक के मार्ग का नाम 'अण्णाभाऊ साठे मार्ग' रखना।

(5) जीवन कांचन ऑस्कर ज्योती सोसायटी से सैंड पेबल सोसायटी, आजाद नगर रोड नंबर 3 तक के मार्ग का नाम 'कर्मवीर भाऊराव पाटील मार्ग' रखना।

(6) सात बंगला गार्डन के पास लीफ सात्त बंगला के सामने जे. पी. मार्ग और नाना नानी पार्क मार्ग जहां एक-दूसरे को काटते हैं, वहां बनने वाले अंग्रेजी अक्षर 'वाई' आकार के चौक का नाम 'गीता वसंत यादव चौक' रखना।

(7) 'एम/पश्चिम' विभाग के अंतर्गत चेंबूर में प्रभाग क्रमांक 152 में आर. सी. मार्ग से गावठाण विहीर तक जाने वाले मार्ग का नाम 'शामराव पांडुरंग म्हात्रे मार्ग' रखना।

(8) 'आर/दक्षिण' विभाग के अंतर्गत कांदिवली (पश्चिम) के महावीर नगर में कपोल विद्यानिधि स्कूल के आगे, न. भू. क्र. 94/एफ, 100सी, 101ए, 111 सी, 112 सी धारण करने वाले खेल मैदान का नाम 'माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) मैदान' रखना।

(9) 'ए' विभाग के अंतर्गत प्रभाग क्रमांक 225 में वालचंद हिराचंद मार्ग और डॉ. दादाभाई नौरोजी मार्ग जहां भाटिया बाग के पास एक-दूसरे को छेदते हैं, वहां बनने वाले चौक का नाम 'साथी जॉर्ज फर्नांडिस चौक' रखना।

प्रस्तावों की सूचनाएं :-

10. श्री अजित रावराणे द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों में थैलेसीमिया और हीमोफिलिया जैसे रक्त विकारों से पीड़ित मरीजों को संबंधित जांच और उपचार नाममात्र शुल्क पर उपलब्ध कराए जाएं।

11. श्री ताजिंदरसिंह तिवाना द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका मुंबई शहर के 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को नागरिक प्रशासन में अधिक से अधिक भागीदारी दिलाने के लिए 'महापौर नेक्स्ट जेन सिविक फेलोज प्रोग्राम' नामक पायलट परियोजना लागू करे।

12. श्रीमती शीतल सु. गंभीर द्वारा -बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों में संतान प्राप्ति में कठिनाई आने वाले और आर्थिक रूप से सक्षम न होने वाले दंपतियों को 'आईवीएफ' (IVF - इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) उपचार पद्धति की सुविधा अत्यंत कम दरों पर उपलब्ध कराई जाए।

13. श्री विजयेंद्र शिंदे द्वारा प्रस्ताव कि मुंबई शहर के खाली भूखंडों, उद्यानों और मैदानों जैसे स्थानों पर भूमिगत बहुस्तरीय वाहन पार्किंग परियोजनाएं लागू की जाएं।

14. श्रीमती वर्षा स्व. टेंबवलकर द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में महानगरपालिका के जल विभाग के माध्यम से पुरानी जल पाइपलाइन के स्थानों पर तथा नई बिछाई जा रही जल पाइपलाइनों में उन्नत तकनीक आधारित आधुनिक कैमरे लगाए जाएं।

15. श्रीमती श्रद्धा जाधव द्वारा प्रस्ताव कि लोकसभा और विधानसभा की तर्ज पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका की सभा के कार्यवाही का सीधा प्रसारण और ध्वनि रिकॉर्डिंग की जाए।

16. श्रीमती शीतल सु. गंभीर द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों तक पहुंचने के लिए मरीजों के लिए 'निकटतम रेलवे स्टेशन से महानगरपालिका अस्पताल' तक 'बेस्ट' उपक्रम की निःशुल्क बस सेवा शुरू की जाए।

17. श्री सचिन पडवळ द्वारा प्रस्ताव कि मुंबई शहर में महानगरपालिका द्वारा अनुदानित स्कूलों को उपलब्ध कराई जाने वाली बिजली, पानी जैसी सुविधाएं और लगाए जाने वाले विभिन्न कर आवासीय दरों पर वसूले जाएं।

18. श्री अंकित प्रभु द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका की सभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण यूट्यूब और प्रसार माध्यमों के माध्यम से किया जाए।

19-20. श्रीमती यामिनी य. जाधव द्वारा -(19) मुंबई के गिरगांव, दादर, जुहू, वर्सोवा, आक्सा, मार्वे, मढ और गोराई जैसे प्रमुख समुद्र तटों का निरीक्षण कर वहां पर्यटकों के लिए आधुनिक शौचालय, कपड़े बदलने के कमरे, सामान रखने के लिए लॉकर आदि आवश्यक सुविधाएं महानगरपालिका द्वारा सशुल्क उपलब्ध कराई जाएं और उनका उचित रखरखाव किया जाये और (20) मुंबई के प्रमुख चौक और ऐतिहासिक स्थलों पर पर्यटकों के लिए महानगरपालिका के स्वामित्व वाले किराये पर उपलब्ध खरीद केंद्र, भोजन केंद्र, शौचालय, निर्धारित दूरी पर बैठने की व्यवस्था, सौंदर्यीकरण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और उद्यान क्षेत्र जैसी सुविधाओं के साथ प्रकृति और संस्कृति के संतुलन पर आधारित कलात्मक लैंडस्केप गार्डन विकसित किए जाएं तथा ऐसे वाहनमुक्त, सुंदर, शांत और आरामदायक 'पैदल यात्री अनुकूल क्षेत्र' (Pedestrian Friendly Zones) बनाए जाएं।

21. श्रीमति अलका सु. केरकर द्वारा प्रस्ताव कि मुंबई शहर में पुनर्विकास तथा आधारभूत परियोजनाओं के निर्माण कार्यों के लिए ध्वनि प्रदूषण नियमों के अनुसार निर्धारित समय में परिवर्तन कर सुबह 7.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक निर्माण कार्यों की अनुमति दी जाए।

22. श्री संदीप पटेल द्वारा प्रस्ताव कि महाराष्ट्र शासन की तर्ज पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका अपने स्वामित्व की सहकारी गृहनिर्माण संस्थाओं को किराये पर दिए गए भूखंडों को स्थायी स्वामित्व अधिकार (फ्रीहोल्ड) प्रदान करने के लिए नीति तैयार करे और उसे लागू करे।

23. श्रीमती मीनाक्षी अ. पाटणकर द्वारा प्रस्ताव कि केरल राज्य की तर्ज पर महाराष्ट्र राज्य में भी प्राथमिक शिक्षा से लेकर डिग्री शिक्षा तक की शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए।

24. श्री अजित रावराणे द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका अपने प्रत्येक विभागीय कार्यालय के क्षेत्र में पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करे और सभी केंद्रों में निगरानी प्रणाली (सीसीटीवी कैमरे) स्थापित कर कुत्तों के नसबंदी और रेबीज टीकाकरण से संबंधित डिजिटल जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए।

महानगरपालिका कार्यालय,
मुंबई, दिनांक 5 मार्च 2026
क्र. जसंअ /3198 / विज्ञापन / 2025-26

महापौर के आदेशानुसार,
मंजिरी सं. देशपांडे
महानगरपालिका सचिव

बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा की बाहों में यूं नजर आईं तेजस्वी प्रकाश प्यार में डूबे कपल की वायरल हो रही सिजलिंग तस्वीरें

मुंबई।टीवी इंडस्ट्री के मोस्ट पॉपुलर कपल की लिस्ट में शामिल एक्टर करण कुंद्रा और एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों और वीडियो को लेकर चर्चा में रहते हैं। कपल आए दिन अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में आ जाता है। इसी बीच एक्ट्रेस कुछ तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वो अपने बॉयफ्रेंड के साथ बेहद सिजलिंग पोज देती नजर आ रही हैं।

दरअसल, तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा इन दिनों शूटिंग के बिजी शेड्यूल से टाइम निकालकर क्वालिटी टाइम बिताने के लिए वेकेशन पर निकल पड़े हैं, जहां दोनों मौज-मस्ती के साथ बेहद रोमांटिक होते हुए नजर आए।

तेजस्वी प्रकाश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की, जिसमें उन्होंने करण कुंद्रा संग अपने वेकेशन की झलक दिखाई है। इन फोटोज में दोनों हैट और सनग्लासेस

पहने नजर आ रहे हैं।

फोटोज में तेजस्वी प्रकाश ब्लैक एंड व्हाइट मोनोकनी पहने दिखाई दे रही हैं। तो वहीं करण ने शर्ट के साथ हाफ पैंट (कच्छा) पहना हुआ है। इन तस्वीरों में दोनों बेहद सिजलिंग लुक देते पोज देते नजर आ रहे हैं। पिक्चर्स में कपल को वोट पर रोमांटिक हुए देखा जा सकता है। तेजा कभी करण का हाथ पकड़े नजर आ रही हैं, तो कभी करण की बाहों में सिजलिंग पोज देती दिखाई दे रही हैं। कपल इन फोटोज में बेहद खूबसूरत लग रहा है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए तेजस्वी प्रकाश ने कैप्शन में लिखा, 'प्यारा लगा, लेकिन यह रोज की बात है। फैंस को उनकी ये तस्वीरें खूब पसंद आ रही है। बता दें कि, तेजस्वी और करण के चाहने वाले कब से दोनों की शादी की राह देख रहे हैं।

आपको बता दें कि, तेजस्वी और करण का रिश्ता साल 2021 में रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' के घर में शुरू हुआ था और 4 चार बीत जाने के बाद भी दोनों का प्यार और रिश्ता बना हुआ है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में करण कुंद्रा ने कबूल किया था कि, काम खत्म होते ही उनके दिमाग में सिर्फ एक ही सवाल होता है 'तेजा कहां है? मुझे उसके पास कब पहुंचना है?' बता दें कि, दोनों की जोड़ी को फैंस भी खूब पसंद करते हैं और उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मराठी एक्ट्रेस वर्षा उसगांवकर हुईं लाखों के फ्रॉड का शिकार, निशाने पर है दिग्गज प्रोड्यूसर; एफआईआर दर्ज

आम लोगों से ही नहीं अब तो आए दिन सेलेब्स के साथ धोखाधड़ी के मामले देखने को मिल रही हैं। इसी कड़ी में मुंबई से धोखाधड़ी का एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। इसमें आम लोगों के साथ-साथ मशहूर मराठी और बॉलीवुड एक्ट्रेस वर्षा उसगांवकर समेत कई लोग करीब 47 लाख रुपए के फ्रॉड का शिकार हो गए हैं। इस मामले में मुंबई की शिवाजी पार्क पुलिस ने एक बिल्डर और एक नामी फिल्म प्रोड्यूसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। प्रोड्यूसर पर आरोप है कि उन्होंने मुनाफे का लालच देकर निवेशकों को चूना लगाया है।

इस हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी में मामले में जिस नामी प्रोड्यूसर का नाम सामने आया है, वो कोई और नहीं जाने-माने निर्माता अविनाश जाधव हैं। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में शिकायत एक्ट्रेस मृणालिनी सुभाष जंभले ने दर्ज कराई है। मृणालिनी कथित आरोपी अविनाश जाधव को पहले से ही जानती थीं। एक्ट्रेस के मुताबिक, जाधव ने खुद को एक बड़ा बिल्डर और फिल्म प्रोड्यूसर बताकर उन्हें डोंबिवली के एक

कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में पैसे लगाने के लिए राजी किया। उसने भरोसा दिलाया था कि एक साल के अंदर ही तगड़ा मुनाफा और मूल रकम वापस कर दी जाएगी।

लोकमत टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2019 से फरवरी 2020 के बीच मृणालिनी जंभले, वर्षा उसगांवकर और तीन अन्य लोगों ने मिलकर चेक और ऑनलाइन ट्रांसफर के जरिए प्रोड्यूसर के इस प्रोजेक्ट में करीब 47 लाख रुपए इन्वेस्ट किए। शुरुआत में तो जाधव ने भरोसे के तौर पर मुनाफे के 4।52 लाख वापस किए, लेकिन बाद में पैसे आना पूरी तरह बंद हो गए।

आरोप है कि, जब लोगों ने अपने पैसे वापस मांगने के लिए अविनाश जाधव से कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की, तो पता चला कि उसने अपना मोबाइल नंबर और घर का पता दोनों बदल लिया है ताकि, कोई उसे ढूंढ न सके। एफआईआर में ये भी कहा गया है कि, जब निवेशकों ने डोंबिवली जाकर उसे पकड़ा, तो उसने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। बाद में फ्रॉड का शिकार हुए लोगों ने पुलिस में इस मामले की शिकायत की, जिसके बाद 26 फरवरी को पुलिस ने अविनाश जाधव के खिलाफ जालसाजी धारा 420 और डराने-धमकी देने के लिए धारा 506 के तहत मामला दर्ज किया है। असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर शैलेश शेजुल को इस केस की जांच सौंपी गई है और मामले की छानबीन जारी है।

पश्चिम एशिया संकट, विदेशी कोषों की निकासी से शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 572 अंक टूटा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजार के लिए शुक्रवार का दिन भारी गिरावट के साथ शुरू हुआ। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही भारी बिकवाली ने निवेशकों के उत्साह पर पानी फेर दिया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी शेयर बाजारों में कमजोरी और एशियाई बाजारों में सुस्त रुख ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 572.43 अंक गिरकर 79, 443.47 पर आ गया। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.75 अंक टूटकर 24, 587.15 पर था। सेंसेक्स के शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक, इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील में उल्लेखनीय गिरावट हुई। दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.17 प्रतिशत गिरकर 84.41 डॉलर प्रति बैरल पर था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 3, 752.52 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5, 153.37 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गृह मंत्री ने सीआईएसएफ को सौंपा सभी एक्जिम पोर्ट की सुरक्षा का दायित्व, 890 करोड़ के प्रोजेक्ट की सौगात

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश के सभी एक्जिम पोर्ट यानी 'निर्यात-आयात पोर्ट' की सुरक्षा का दायित्व सीआईएसएफ को सौंप दिया है। शुक्रवार को शाह ने ओडिशा के मुंडली में सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए यह घोषणा की है। उन्होंने कहा, सीआईएसएफ, देश के 70 हवाई अड्डों सहित 361 महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा कर रहा है। ड्रोन सुरक्षा में भी सीआईएसएफ को नोडल एजेंसी की भूमिका प्रदान की गई है।

अमित शाह ने 890 करोड़ रुपये की 5 अलग-अलग परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि राजरहाट का आवासीय परिसर और मैदानगढ़ी का आवासीय परिसर पूर्ण हो गया है। यह हमारे जवानों और उनके परिजनों को सुविधा देगा। पिछले एक साल में कर्तव्य भवन, सेवा तीर्थ, नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नवी मुंबई हवाई अड्डा, लेंगपुई हवाई अड्डा, जवाहरपुर तापविद्युत परियोजना, भाखड़ा बांध परियोजना, जैसी कई परियोजनाओं की सुरक्षा काम सीआईएसएफ को सौंपा गया है।

शाह ने कहा कि अब पोर्ट सुरक्षा संभालने के बाद देश की बहुत बड़ी समुद्री सीमा में आने वाले बंदरगाहों की सुरक्षा भी सीआईएसएफ करेगा। उन्होंने कहा कि हमने 4 साल पहले सीआईएसएफ को हाइब्रिड मोड में एक मॉडल विकसित कर निजी औद्योगिक समूहों को भी सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया था जो सर्वाधिक आधुनिक उपकरणों के साथ तैयार किया गया है। आने वाले दिनों में सीआईएसएफ निजी औद्योगिक समूहों को भी हाइब्रिड मोड में सुरक्षा देगी।

कुंभ मेले की तैयारियों के मद्देनज़र भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक द्वारा स्टेशनों का व्यापक निरीक्षण

भुसावल। दिनांक 06 मार्च 2026 को मध्य रेल के भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल ने मंडल के वरिष्ठ शाखा अधिकारियों के साथ देवळाली, नासिक रोड, ओढ़ा, कसबे सुकेने एवं खेरवाड़ी रेलवे स्टेशनों का विस्तृत निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण के दौरान स्टेशनों पर स्वच्छता व्यवस्था, यात्री सुविधाएं, रेल पथ की तकनीकी स्थिति एवं सुरक्षा (फिटनेस), चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, स्टेशन परिसर का प्रबंधन तथा आगामी नासिक कुंभ मेले के परिप्रेक्ष्य में की जा रही विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए सभी कार्यों को समयबद्ध, उच्च गुणवत्ता के साथ एवं सुव्यवस्थित तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नासिक में आयोजित होने वाले कुंभ मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के रेल द्वारा यात्रा करने की संभावना को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था तथा भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष योजना बनाई जा रही है।

रेलवे प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा कुंभ मेले के दौरान रेल सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए सभी विभागों के समन्वय से आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इस निरीक्षण के दौरान मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अनिल अंबानी पर ईडी का शिकंजा, रिलायंस पावर से जुड़े ठिकानों पर मुंबई और हैदराबाद में छापेमारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के समूह की कंपनी 'रिलायंस पावर लिमिटेड' से जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ जांच के तहत मुंबई और हैदराबाद में कई स्थानों पर शुक्रवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रिलायंस पावर ने अपने परिसर या कार्यालय में संघीय जांच एजेंसी द्वारा छापेमारी किए जाने की बात को पूरी तरह नकार दिया। अधिकारियों ने बताया कि इस कंपनी और उसके अधिकारियों से जुड़े लगभग 10-12 ठिकानों पर दोनों शहरों में छापेमारी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि एजेंसी की करीब 15 टीम छापेमारी की कार्रवाई कर रही हैं। रिलायंस पावर ने 'स्टॉक एक्सचेंज' को दिए गए एक बयान में कहा कि "हमारी जानकारी के अनुसार, कंपनी के किसी भी कार्यालय या परिसर में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई है।" ईडी, कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के मामले के तहत अनिल अंबानी से जुड़ी कई कंपनियों की जांच कर रही है और इसके साथ ही विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत वित्तीय अनियमितताओं की भी जांच की जा रही है।

अनिल अंबानी (66) से ईडी ने इस जांच के तहत धन शोधन रोधी कानून के अंतर्गत दो बार पूछताछ की है। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों पर ईडी ने अंबानी समूह की कंपनियों के खिलाफ मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। ईडी द्वारा उच्चतम न्यायालय को दी गई जानकारी के अनुसार, उसने बैंक ऋण धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) के खिलाफ धन शोधन के तीन मामले दर्ज किए हैं।

2027 विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में कोई हलचल नहीं, संगठन की सुस्ती से कार्यकर्ता मायूस

नई दिल्ली। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर प्रदेश के सभी राजनीतिक दल सक्रिय हो गए हैं, लेकिन कांग्रेस में इसको लेकर कोई हलचल नहीं है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी लंबे समय से भंग चल रही है और प्रदेश में संगठनात्मक मजबूती को लेकर कोई कार्य नहीं हो रहा है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से भी यूपी चुनाव को लेकर कोई सक्रियता नहीं दिखाई पड़ रही है। इससे आशंका जताई जा रही है कि यूपी चुनाव में कांग्रेस और कमजोर पड़ सकती है। यूपी चुनावों को लेकर कोई सक्रियता न होने से पार्टी के कार्यकर्ताओं में मायूसी का माहौल है। पार्टी ने पूरे देश की तरह यूपी में भी 'संविधान बचाओ' यात्रा के अंतर्गत जनवरी में कुछ कार्यक्रम किए थे। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत भी प्रदेश में संगठन को मजबूत करने का कार्य शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत फरवरी माह में कुछ बैठकें आयोजित की गई थी, लेकिन इसके अलावा संगठन का पूरा कामकाज ठप पड़ा हुआ है। जिला से लेकर ब्लॉक और मंडल स्तर पर पार्टी में कोई राजनीतिक गतिविधि नहीं चल रही है।

'मतदाताओं को जोड़ने के लिए कोई प्लान नहीं'

यूपी में कांग्रेस के पास अब मुसलमानों को छोड़कर कोई दूसरा 'डेडीकेटेड वोटर वर्ग' नहीं है। पार्टी की किसी सियासी गतिविधि से ऐसा भी नहीं लगता कि वह समाज के किसी दूसरे वर्ग को अपने साथ लाने के लिए किसी खास योजना पर काम कर रही है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को लेकर दलितों-पिछड़ों में एक भावनात्मक लहर पैदा हुई थी। इसे मजबूती के साथ अपने पाले में लाने की कोशिश की जाती तो कांग्रेस का परंपरागत दलित-पिछड़ा वोट बैंक का एक हिस्सा उसके साथ वापस आ सकता था। ऐसा होने पर पार्टी प्रदेश में खड़ी हो जाती, लेकिन पार्टी ने ऐसी कोई कोशिश नहीं किया।

'भारी पड़ेगी सियासी शून्यता'

नेता के अनुसार, ब्राह्मण वर्ग इस समय सत्तारूढ़ दल से नाराज है और अपने लिए विकल्प तलाश रहा है। समाजवादी पार्टी और बसपा इस नाराज वर्ग को अपने पाले में लाने के लिए तमाम सियासी संदेश दे रहे हैं, लेकिन कांग्रेस अपने इस पुराने परंपरागत वोट बैंक को अपने पास वापस लाने के लिए कोई प्रयास करती नहीं दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सियासी शून्यता पार्टी को भारी पड़ सकती है।

बिहार में हुआ था नुकसान

कांग्रेस के शीर्ष नेता ने अमर उजाला को बताया कि पार्टी प्रदेश में अब तक सक्रिय नहीं हुई है। समाजवादी पार्टी से गठबंधन को लेकर भी अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं है। बिहार में अंतिम समय तक इसी तरह की अनिश्चितता के कारण पार्टी को नुकसान हुआ था। अब उत्तर प्रदेश में भी पार्टी उसी तरह काम करती दिखाई दे रही है। इससे पार्टी को नुकसान हो सकता है।

दूसरे दलों की सक्रियता

सत्तारूढ़ भाजपा यूपी को लेकर सबसे ज्यादा सक्रिय है। भाजपा-आरएसएस के शीर्ष नेता लगातार इसको लेकर बैठकें कर रहे हैं। पार्टी सरकार के स्तर पर कई उद्घाटन कार्यक्रम कर जनता के बीच सकारात्मक संदेश देने की कोशिश कर रही है। 8 मार्च को भी प्रदेश में कई बड़े कार्यक्रम कर जनता को अपने से जोड़ने की तैयारी है। भाजपा-आरएसएस की समन्वय बैठक आयोजित कर बेहतर काम काज करने और कार्यकर्ताओं से सरकार के कामकाज पर जमीनी फीडबैक लेने की कोशिश की जा रही है।

वहीं, बहुजन समाज पार्टी लखनऊ में बड़ी रैली आयोजित कर अपने राजनीतिक विरोधियों को संदेश दे चुकी है। उसके कार्यकर्ता निचले स्तर पर छोटी-छोटी बैठकें कर पार्टी को दुबारा मजबूत करने के लिए जी जान से जुटे हुए हैं। मायावती लगातार सांगठनिक गतिविधियों को लेकर सक्रिय हैं और विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति को लेकर काम हो रहा है। बसपा में इन प्रभारियों को ही बाद में प्रत्याशी बनाने की परंपरा है। यानी बसपा अभी से प्रत्याशियों के चयन के स्तर पर काम कर रही है।

भाजपा को सबसे तगड़ी चुनौती दे रही समाजवादी पार्टी जिला-ब्लॉक स्तर तक संगठन को मजबूत करने का कार्यक्रम चला रही है। 15 मार्च को कांशीराम के जन्मदिन को मनाने के साथ 28 मार्च से अखिलेश यादव नोएडा से शुरू करते हुए पूरे प्रदेश में चुनावी अभियान की शंखनाद करने जा रहे हैं। पार्टी निचले स्तर पर अपना विस्तार करने की कोशिश कर रही है।

लेकिन दूसरे दलों की इन चुनावी गतिविधियों के बीच कांग्रेस की अनुपस्थिति लोगों को चौंका रही है। यूपी जैसे राजनीतिक तौर पर सबसे महत्त्वपूर्ण राज्य में कमजोर पार्टी को मजबूत किए बिना उसकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को जमीन नहीं मिल सकती है।

नसबंदी करा चुके 22 साल बड़े सीईओ के प्यार में पागल हुई लड़की, अब खुद ही खोल दिया बेडरूम का चौंकाने वाला राज

सिंगापुर सिटी **(एजेंसी)**। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी लव स्टोरी चर्चा में है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। 22 साल बड़े एक सीईओ के साथ रिश्ते में आई एक लड़की ने अपने निजी जीवन को लेकर ऐसा खुलासा कर दिया, जिसे सुनकर लोग चौंक गए। बताया जा रहा है कि उस शख्स ने सालों पहले नसबंदी करा ली थी, लेकिन इसके बावजूद दोनों के रिश्ते को लेकर कई सवाल उठने लगे।

जहां आम तौर पर कपल्स अपने निजी पलों को बेहद निजी रखते हैं, वहीं 27 साल की एलेक्जेंड्रा कॉर्निश और 49 साल के एंड्रयू चान ने अपने बेडरूम से जुड़ा एक ऐसा खुलासा किया है जिसे सुनकर लोग हैरान हैं। जवान दिखने वाली एलेक्जेंड्रा रात के वक्त बिस्तर पर अपने पार्टनर के साथ कोई रोमांटिक गेम नहीं, बल्कि 'डिमेंशिया' (भूलने की बीमारी) से बचने वाले दिमागी खेल खेलती हैं। जी हां, दरअसल, इन दोनों की

लव स्टोरी साल 2022 में शुरू हुई थी। उस वक्त एलेक्जेंड्रा एक टैटू पार्लर में काम कर रही थीं और एंड्रयू वहां ग्राहक बनकर पहुंचे थे। पहली ही बातचीत में दोनों के बीच ऐसा तालमेल बैठा कि वे घंटों एक-दूसरे में खोए रहे। देखते ही देखते उनकी मुलाकातों का सिलसिला इतना बढ़ा कि वे हफ्ते में पांच-पांच बार मिलने लगे और आज वे सिडनी से सिंगापुर तक साथ सफर करते हुए अपनी जिंदगी की नई इबारत लिख रहे हैं।

इस रिश्ते की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो शादी की कोई जगह है और न ही भविष्य में बच्चों की। एंड्रयू, जो एक बड़ी कंपनी के सीईओ हैं, शादी जैसी संस्था में यकीन नहीं रखते। उन्होंने बहुत पहले ही अपनी नसबंदी करा ली थी, जिसका मतलब है कि वे कभी पिता नहीं बनेंगे। एलेक्जेंड्रा को भी इस फैसले से कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि वे खुद भी मां बनने की कोई इच्छा नहीं रखतीं। उनके लिए बिना किसी कानूनी दस्तावेज या अंगूठी के एक-दूसरे का साथ ही काफी है।

एलेक्जेंड्रा इस बात को स्वीकार करने में बिल्कुल नहीं हिचकिचातीं कि उनके रिश्ते में उम्र का बड़ा अंतर कुछ चुनौतियां भी लाता है। एंड्रयू उनकी मां की उम्र के बराबर हैं, जिसकी वजह से शुरुआत में उनके परिवार ने इस रिश्ते को मंजूरी नहीं दी थी। दोस्तों ने भी कई तरह के ताने कसे, लेकिन एलेक्जेंड्रा ने उन लोगों से दूरी बना ली जो उनके प्यार को नहीं समझ सके। वे मानती हैं कि एंड्रयू न केवल उनके खर्चों का ख्याल रखते हैं, बल्कि उन्हें जीवन के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

कतर ने दुनिया को दी बड़ी चेतावनी

कहा- खाड़ी देशों से रुक सकती है तेल और गैस की सप्लाई

दोहा **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और युद्ध के हालात के बीच कतर के एनर्जी मिनिस्टर साद अल-काबी ने बहुत चिंताजनक चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, अगर यह युद्ध जारी रहा तो आने वाले कुछ हफ्तों में खाड़ी देशों से तेल और गैस की सप्लाई पूरी तरह से रुक सकती है, जिसका सीधा असर पूरी दुनिया की इकॉनमी पर पड़ेगा। एनर्जी मिनिस्टर ने अनुमान लगाया है कि तेल की कीमतें 150 प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इसके अलावा, गैस की कीमतों के भी युद्ध से पहले के लेवल से चार गुना बढ़ने का खतरा है। उन्होंने कहा कि अगर युद्ध अभी खत्म भी हो जाता है, तो भी कतर को सप्लाई के नॉर्मल साइकिल पर लौटने में कई हफ्ते या महीने लग सकते हैं।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े एलएनजी प्रोड्यूसर कतर को अपने रास लफ्फान प्लांट पर ईरानी ड्रोन हमले के बाद 'फोर्स मेज्योर' घोषित करना पड़ा है। सुरक्षा कारणों से प्लांट में काम रोक दिया गया है और करीब 9, 000 कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। एनर्जी मिनिस्टर ने साफ किया कि जब तक युद्ध पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता और सेना हरी झंडी नहीं दे देती, तब तक प्रोडक्शन फिर से शुरू नहीं होगा।

दुनिया का करीब पांचवां हिस्सा तेल और गैस इसी रास्ते से सप्लाई होता है, लेकिन अब जहाज का ट्रैफिक लगभग रुक गया है। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमला करने के बाद यह इलाका वॉर जोन बन गया है और अब तक कम से कम 10 जहाजों को निशाना बनाया जा चुका है। कतर के मुताबिक, अब जहाज मालिकों के लिए अपने जहाजों और क्रू को इस खतरनाक रास्ते पर भेजना मुमकिन नहीं है।

रूसी तेल खरीद पर अमेरिकी मंजूरीः संजय राउत ने केंद्र सरकार को घेरा; विपक्षी नेताओं ने भी दागे तीखे सवाल

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीद के मामले में भारत को एक महीने की मोहलत दिए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस मुद्दे को भारत की विदेश नीति और राजनीतिक स्वतंत्रता से जोड़ते हुए कहा है कि किसी भी देश को यह तय करने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए कि भारत कब और कितना तेल खरीदे।

विदेश नीति पर बाहरी दबाव की चिंता

मीडिया से बातचीत करते हुए संजय राउत ने कहा, 'यह बात समझ से परे है कि कोई दूसरा देश भारत को इस तरह 'परमिशन' दे।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसी अनुमति आमतौर पर एक ताकतवर देश अपने अधीन या कमजोर देश को देता है। अगर भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए एक महीने की छूट दी गई है, तो इसका मतलब है कि हमारी विदेश नीति कहीं न कहीं दूसरे देश के इशारों पर चल रही है। उन्होंने इसे भारत की राजनीतिक स्वायत्तता के लिए एक चिंताजनक संकेत बताया।

'अमेरिका के अधीन और गुलाम' होने का आरोप

संजय राउत ने आरोप लगाया कि रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका से अनुमति लेना यह दर्शाता है कि भारत अमेरिका के अधीन और गुलाम है। उन्होंने कहा, 'अब अमेरिका जो कहेगा भारत वही करेगा। विदेश नीति में हमारी कोई आवाज नहीं है, कोई भूमिका नहीं है।' वहीं संजय राउत ने आगे कहा कि अगर देश को ऊर्जा की जरूरत है और रूस से तेल खरीदना फायदेमंद है, तो इस पर फैसला भारत सरकार को खुद करना चाहिए, न कि किसी दूसरे देश की मंजूरी के आधार पर। उन्होंने भारत के राजनीतिक नेतृत्व और सरकार से इस मामले में एक स्पष्ट और मजबूत रुख अपनाने की अपील की।

कांग्रेस ने भी उठाए सवाल, सरकार को घेरा

इधर, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, 'ट्रेड डील के अनुसार हम आयात कर घटा रहे हैं और अमेरिका आयात कर बढ़ा रहा है। हमने ट्रेड डील में अमेरिका से वादा किया है कि हम कृषि के क्षेत्र में आयात कर हटाएंगे या घटाएंगे, तो वास्तविक है कि अमेरिका खुश होगा। रूस के तेल के बारे में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी का जो बयान आया है, वो बहुत आपत्तिजनक है। अमेरिका हमें सर्टिफिकेट देने वाला कौन होता है? यह हमारी संप्रभुता पर आक्रमण है। निक्सन और किसिंजर ने 1971 में यही भाषा इस्तेमाल की थी और इंदिरा गांधी ने करारा जवाब दिया था। हमारे प्रधानमंत्री के इस्राइल दौरे के ठीक 2 दिन बाद अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर लक्षित हमले किए। पूरी सरकार इस पर चुप है। ट्रेड डील के मुद्दे के साथ-साथ इसे भी संसद में उठाया जाएगा।'

आरजेडी का तीखा हमला

अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट के भारतीय रिफाइनर को रूसी तेल खरीदने की इजाजत देने के लिए 30 दिन की टेम्परारी छूट देने पर आरजेडी नेता मनोज कुमार झा निशाना साधा। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इसका राजनीति से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। हमारे विदेश मंत्री, पेट्रोलियम मिनिस्टर और प्रधानमंत्री मोदी कहां हैं।

ईरान के अगले सर्वोच्च नेता की चयन प्रक्रिया में अमेरिका को शामिल किया जाना चाहिए-ट्रंप

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के अगले सर्वोच्चा नेता के चयन की प्रक्रिया में उन्हें शामिल किया जाना चाहिए। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले लगातार जारी हैं तथा इन हमलों के जवाब में ईरान ने भी क्षेत्र में इजराइल एवं अमेरिकी ठिकानों पर हमले जारी रखे हैं।

ट्रंप ने कहा कि ईरान पर हमलों में मारे गए अयातुल्ला अली खामेनेई के स्थान पर उनके बेटे मोजतबा खामेनेई का सर्वोच्च नेता के तौर पर चयन "अस्वीकार्य" होगा। अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'एक्सियोस' से बातचीत के दौरान की गई ट्रंप की यह टिप्पणी सवाल खड़ा करती है कि क्या अमेरिका और इजराइल ईरान के इस्लामी गणराज्य को उखाड़ फेंकना चाहते हैं या केवल उसकी नीतियों में बदलाव चाहते हैं।

यह संघर्ष अनिश्चितकाल के लिए लंबा खिंचता नजर आ रहा है। इस युद्ध का असर पश्चिम एशिया तथा उससे बाहर के 14 देशों पर पड़ा है। अजरबैजान ने ईरान पर ड्रोन हमले करने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था जिसे तेहरान ने खारिज कर दिया। ईरान ने बृहस्पतिवार सुबह इजराइल और अमेरिका के कई अड्डों पर नये सिरे से हमले किए और धमकी दी कि हिंद महासागर में ईरान के एक युद्धपोत को टॉरपीडो के हमले से डुबोने के लिए अमेरिका को बहुत पछताना पड़ेगा।

ईरान समर्थक हिजबुल्ला लड़ाकों के साथ संघर्ष बढ़ने के बीच इजराइल ने चेतावनी जारी कर बेरूत के दक्षिणी उपनगरों के लिए बड़े पैमाने पर निकासी का परामर्श जारी किया। संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों ने इजराइली सैनिकों की और टुकड़ियों के सीमा पार जाने के बीच दक्षिणी लेबनान में जमीनी लड़ाई की सूचना दी। इस बीच, पूरे ईरान में अमेरिका और इजराइल के हमले जारी हैं।

उन्होंने ईरान की सैन्य क्षमता, नेतृत्व और परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया है। ईरान ने जवाबी हमले करते हुए अरब में अपने पड़ोसियों को निशाना बनाया है। इन हमलों के कारण तेल आपूर्ति बाधित हो गई है और वैश्विक हवाई यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है।

ईरान का 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस': आत्मघाती ड्रोन और मिसाइलों से इजराइल पर हमले तेज

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान की आईआरजीसी ने शुक्रवार को कहा कि उसके वायु सेना बलों ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस का 21वां चरण शुरू किया है, जिसमें आत्मघाती ड्रोनों के झुंड और क्लस्टर वारहेड से लैस उन्नत खैबर मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। इसका उद्देश्य ज़ायोनी शासन की बहुस्तरीय वायु सुरक्षा को भेदना और उसे पार करना है। आईआरजीसी ने कहा कि इस समन्वित हमले का कोडनेम 'या मुइज़्ज़ अल-मुमिनिन' था। ईरान ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में उसका जवाबी अभियान तेज होगा, और सैन्य अधिकारियों ने व्यापक हमलों का संकल्प लिया है, जबकि वायु सुरक्षा बल पूरे देश में इजरायली और अमेरिकी विमानों और ड्रोनों को रोकना जारी रखेंगे।

खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम ज़ोल्फ़ागरी ने प्रेस टीवी को बताया कि इजरायल ने अपने सैन्य संसाधनों को नागरिक क्षेत्रों में छिपाने का प्रयास किया है, लेकिन ईरानी सेनाएं उन्हें ढूंढकर उन पर हमला करना जारी रखे हुए हैं। ज़ोल्फ़ागरी ने कहा कि ज़ायोनी शासन की कायर सैन्य ताकतें और ठिकाने आम नागरिकों और सार्वजनिक क्षेत्रों में छिपे हुए हैं। लेकिन हमलावरों का पता लगाना और उन पर हमला करना जारी रहेगा, और आने वाले दिनों में हमलों का सिलसिला और भी तेज़ और व्यापक हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ईरानी वायु रक्षा ने देश के कई क्षेत्रों में दुश्मन के उन्नत विमानों को रोककर नष्ट कर दिया है। ज़ोल्फ़ागरी के अनुसार, इन नवीनतम हमलों के साथ, पिछले शनिवार को अमेरिका-इजरायल के आक्रमण की शुरुआत के बाद से ईरानी सशस्त्र बलों द्वारा मार गिराए गए दुश्मन ड्रोनों की कुल संख्या 75 से अधिक हो गई है।

नई दिल्ली में ईरानी उप विदेश मंत्री सईद खतीबज़ादेह ने ज़ोर देकर कहा कि तेहरान के पास अमेरिकी और इजरायली आक्रमण' के खिलाफ वीरतापूर्ण राष्ट्रवादी रक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, और उन्होंने कसम खाई कि राष्ट्र आखिरी गोली और आखिरी सैनिक तक प्रतिरोध करेगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)